श्री सिद्धि विनायक
हार्ट केयर
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 294 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 07 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

मौसम : अब तक औसत बारिश का 64 प्रतिशत कोटा पूरा...

फिलहाल एक हफ्ते तक अवकाश पर रहेगी वर्षा..!

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले में बीते 24 घंटों में कहीं भी बारिश नहीं हुई। अब तक हुई बारिश में जिले की औसत बारिश का 64 फीसदी कोटा पूरा चुका है। अब तक यहां 21 इंच बारिश हो चुकी है। यह पिछले साल की तुलना में 6 इंच अधिक है। जिले की औसत बारिश 33 इंच है। सोमवार को दिनभर धूप-छांव वाला मौसम रहा। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार मानसून ट्रफ के प्रदेश से ऊपर निकलने और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कमजोर होने से प्रदेश में भारी बारिश का दौर अगले एक सप्ताह थमा रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश के ऊपर है। ईस्ट-वेस्ट ट्रफ भी गुजर रही है। ट्रफ साउथ राजस्थान से नॉर्थ केरल तक जा रही है। इस वजह से भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। एक सप्ताह तक ऐसा ही दौर रहेगा। प्रदेश में गरज-चमक की एक्टिविटी बनी रहेगी। जिले में मंगलवार सुबह तक ओवरऑल 535 मीमी औसत बारिश दर्ज की गई है। पिछले वर्ष 5 जुलाई तक 379 मीमी बारिश दर्ज हुई थी। इधर, चंबल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1299.73 फीट पहुंच गया है। मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान 29.0 डिग्री सेल्सियस ओर न्यूनतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

कहां, कितनी हुई बारिश...

बारिश की बात करें तो मंदसौर वर्षामापक केंद्र में 379 मिमी, सीतामऊ- 535 मिमी, सुवासरा - 655 मिमी, गरोठ - 550 मिमी, भानपुरा - 516 मिमी, मल्हारगढ़ - 390 मिमी, धुंधड़का - 478 मिमी, शामगढ़ - 816 मिमी, संजीत - 472 मिमी, कयामपुर - 534 मिमी, भावगढ़ - 555 मिमी बारिश अब तक हुई है।

पर्याप्त पानी, बिजली व रखरखाव के प्रतिमाह 25 लाख बचेंगे...

शिवना नदी में प्रतापगढ़ क्षेत्र से हुई बारिश की वजह से पर्याप्त पानी आ गया है। ऐसे में अब नगर पालिका का जलकल अमला चम्बल नदी से पानी नहीं लेगा। ऐसे में दिसंबर माह तक नगर पालिका चम्बल के पानी का उपयोग नहीं करेगी, इस तरह अब नपा को 25 लाख रुपए हर माह की बचत होगी, क्योंकि चंबल से पानी मंदसौर तक लाने में बिजली आपूर्ति व रखरखाव के 25 लाख महीना खर्चा आ रहा था।

अगले साल 25 फरवरी से शुरू होंगी बोर्ड की परीक्षाएं...

10वीं, 12वीं की परीक्षाओं का टाइम टेबिल जारी

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। 2025 बोर्ड की 10वीं, और 12वीं की परीक्षाओं का टाईम टेबल जारी कर दिया गया है। बोर्ड की ये दोनों अहम परीक्षाएं अगले साल 25 फरवरी से शुरु हो जाएंगी। टाईम टेबल के संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रदेश के सभी स्कूलों के प्राचार्यों को पत्र प्रेषित कर सूचना भी भेज दी है।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल 2025 की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 25 फरवरी 2025 से प्रारंभ होंगी। पिछले साल माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड की परीक्षा 6 फरवरी से शुरू होकर 5 मार्च 2024 तक चलीं थी। इसी तरह माध्यमिक शिक्षा मंडल यानि एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 5 फरवरी से शुरु हुई थी।पिछले साल 10वीं और 12 वीं की परीक्षाओं के साथ ही 5 वीं और 8 वीं की परीक्षाएं भी बोर्ड पैटर्न पर हुई थीं। रेगुलर स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम 10 फरवरी से 15 मार्च 2025 जबकि प्राइवेट छात्रों के 27 फरवरी से 25 मार्च 2025 तक होंगे। बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देश के मुताबिक, एग्जाम हॉल में सुबह 8:30 बजे तक पहुंचना होगा। 8:45 बजे के बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एग्जाम हॉल में निर्धारित समय से 10 मिनट पहले कॉपी और 5 मिनट पहले प्रश्न पत्र दिए जाएंगे।

मिशन परिवार के प्रचार–प्रसार में प्रशासनिक मशीनरी की कमजोर कार्यप्रणाली...

लक्ष्य 7559 का, तीन माह में 854, पुरुष नसबंदी मात्र दो

लक्ष्य के अनुरूप कार्य में फिसड्डी होते जा रहे जिम्मेदार, पुरष नसबंदी शिविर बनी औपचारिकता

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। परिवार नियोजन की अवधारणा विकसित करने की गरज से केंद्र सरकार ने मिशन परिवार योजना का संचालन किया है। इसमें कई तरह से हितग्राहियों को आर्थिक फायदा पहुंचाने की भी गूंजाईश रखी गई है। लेकिन, हालत यह है कि बड़े अस्पताल के कर्णधारों द्वारा इस दिशा में अपने तय ही कार्य किया जा रहा है। लक्ष्य के अनुरूप कार्य में फिसड्डीपन के रवैये को बरकरार रखा जा रहा है। जबकि जो लक्ष्य दिया है, उसके अनुरूप कार्य करने में ही सक्रियता का प्रमाण मिलता है। मिशन परिवार के तहत नसबंदी कराने पर आर्थिक मुनाफा भी मिलता है। लेकिन, सिविल सर्जन और सीएमएचओ कार्यालय के अधीन इस मिशन परिवार अवधारण का प्रचार–प्रसार किया गया हो, ऐसा भी बेहद कम दिखाई दिया गया है। केवल आशा और उषा कार्यकर्ताओं के हवाले लक्ष्य को पूरा करने की कोशिशें जारी है। मंदसौर जिले को वार्षिक नसबंदी लक्ष्य 7553 मिला है, जिसके बनिस्बत् तीन महीने में 854 नसबंदी कराने का दावा किया गया है। इसमें भी पुरुष नसबंदी नाम मात्र की है, यानी केवल दो पुरुषों की नसबंदी स्वास्थ्य विभाग के होनहार करवाने में सफल रहे हैं। ऐसे में बढ़ती जनसंख्या पर कंट्रोल पाना कमजोर कार्यप्रणाली के चलते आसान नहीं दिखता है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा नसबंदी कराने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित कराने के दावे किए जाते रहे हैं। नसबंदी शिविर लगाने के भी दावे होते हैं। ये शिविर कहां लगते हैं, यह भी विचारणीय है। पुरुष नसबंदी शिविर की भी औपचारिकताएं दिखाई देती है। जिले में बड़े अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य व उप स्वास्थ्य केंद्रों को मिलाकर तीन महीने में 854 लोगों की ही नसबंदी हो पाई है, जबकि लक्ष्य इससे कहीं गुना ज्यादा रहा है। वार्षिक लक्ष्य तो 7553 है। यह भी माना जा रहा है कि ठंड के दिनों में नसबंदी अधिक होती है। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा नसबंदी संबंधी कार्यप्रणाली पर नजर डालें तो जो महिलाएं सरकारी अस्पताल में डिलेवरी करने आती है, उसकी नसबंदी कर दी जाती है। यानी लक्ष्य इससे ही आगे बढ़ाया जाता रहा है। मजेदार बात यह है कि अप्रैल, मई और जून माह में केवल दो ही पुरुषों की नसबंदी स्वास्थ्य विभाग के नुमाइन्दे कर पाए हैं, जबकि पुरुष नसबंदी शिविर लगाने व जागरुक करने के दावे होते रहे हैं।

बैठकों में कर्मचारियों को निर्देश, धरातल पर नहीं–स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी बैठकों में कर्मचारियों को मिशन परिवार से संबंधी लाभ दिए जाने और इसके प्रचार के लिए निर्देश दिए जाते हैं, जबकि धरातल पर यह कारगर नहीं हो पा रहा है। निचले स्तर के कर्मचारियों के भरोसे ही लक्ष्य की पूर्ति समझी जा रही है। बता दें कि यदि किसी का विवाह होता है, तब भी उन्हें सरकार की ओर से एक कीट प्रदान करने का प्रावधान है। यह कीट कितने नवविवाहितों के पास पहुंचा है, यह भी विचारणीय है।

जनसंख्या को स्थिर करने में बरती जा रही लापरवाहियां–जनसंख्या को स्थिर करने में स्वास्थ्य विभाग का सबसे ज्यादा अहम रोल रहता है। उधर, गर्भवती महिलाओं को प्रदेश सरकार की योजना के तहत पुत्रियां होने पर लाभ दिया जाता रहा है। जबकि मिशन परिवार में बेटों के होने पर भी लाभ दिया जा रहा है। इसका सीधा सा मकसद है कि जनसंख्या स्थिरीकरण बना रहे। योजना का प्रचार प्रसार ठीक से नहीं किए जाने की स्थिति में इसकी जानकारी आमजन तक नहीं पहुंच पा रही है।

क्या कर रहे हैं एनजीओ, पड़ताल जरूरी–बता दें कि परिवार नियोजन के तहत विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाते हैं। कई एनजीओ भी इसमें शिरकत करने की भूमिका अदा करते हैं। नसबंदी में जो लक्ष्य मिला है, उसके अनुरूप नसबंदी तो बेहद कम है। पुरुष नसबंदी तीन महीने में मात्र दो है। ऐसे में कुछ एनजीओ की कार्यप्रणाली भी कमजोर दिखाई देती है। ये एनजीओ क्या कर रहे हैं, इस पर सवाल उठते हैं। यह भी माना जा रहा है कि कार्यप्रणाली की जांच पड़ताल भी जरूरी है।

इनका कहना–नसबंदी लक्ष्य 7553 वार्षिक मिला है। जून तक 854 हो पाई है। केवल जागरूक किया जा सकता है, फोर्स नहीं किया जा सकता है। यह शुरुआती आंकड़े हैं, अंत समय तक लक्ष्य पूर्ति की प्राप्ति के लिए हम अग्रसर है। तीन महीने के आंकड़े में पुरुष नसबंदी दो की हुई है।

एमएल कश्यप, अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, मंदसौर

एक साल में दाम 12 हजार रुपए तक बढ़े...

हर महीने एक हजार रुपए का फायदा दिया सोने के गहनों ने

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सोने चांदी में तेजी मंदी का दौर जारी है। अभी तक चांदी में निवेशकों की ज्यादा रुचि होती थी। लेकिन, कुछ सालों में सोने ने भी खासा रिटर्न दिया। सिर्फ एक साल की ही बात करें तो हर माह एक हजार रुपए का फायदा सोने ने दिया। मतलब प्रति दस ग्राम पर लगभग बारह हजार रुपए तक बढ़े। यहीं नही सोना और चांदी 13 साल के रिकॉर्ड स्तर पर भी इस साल पहुंच गए थे। सोने का वर्तमान भाव की बात करें तो सोमवार को भाव 71 हजार 400 रुपए प्रति दस ग्राम रहा। वहीं चांदी 80 हजार 300 रुपए प्रति किलो बिकी। वहीं 2022-23 की बात करें तो सोने का भाव 62 हजार 800 तक रहा तो चांदी 75 हजार 200 रही। मतलब साफ है कि इस साल चांदी से ज्यादा रिटर्न सोने के गहनों ने दिया।

71-72 के बीच झूल रहे भाव–केंद्रीय बजट के पहले की बात करें सोने के भाव लगातार बढ़ रहे थे। अच्छी खासी तेजी का दौर सोने में चल रहा था। लेकिन, बजट पेश होने के अगले ही दिन सोने के भाव में पांच हजार रुपए तक की गिरावट हुई। इसके बाद भाव 71-72 के बीच झूल रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि सोने के भाव में तेजी मंदी दोनों ही कंडीशन जारी है। सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव में गिरावट से सोने और चांदी के भाव में गिरावट का रुख है। गिरावट आगे बनी रह सकती है।

सर्वाधिक भाव से सोना 4300 रुपए, चांदी 10 हजार रुपए सस्ती–वर्तमान भाव पर नजर डाले तो सोना सर्वाधिक भाव से 4300 रुपए प्रति दस ग्राम सस्ता बिक रहा है। इसके सर्वाधिक भाव 75 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम रहे है जो रिकॉर्ड भाव था। अब इसके भाव 71 हजार 200 रुपए प्रति दस ग्राम हैं। अब चांदी की बात करें तो यह अपने सर्वाधिक भाव से लगभग 10 हजार रुपए प्रतिकिलो सस्ती बिक रही है। सर्वाधिक भाव 90 हजार रुपए प्रतिकिलो है। इसके बाद से ही भाव में गिरावट का रुख है। अब भाव 80300 हजार रुपए प्रतिकिलो पहुंच गए हैं।

गिरावट का कारण जापान अमेरिका–सराफा व्यापारी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और डांगी ज्वेलर्स के विशाल डांगी ने बताया टीम कि भाव में गिरावट की मुख्य वजह जापान और अमेरिका हैं। जापान ने 17 साल में पहली बार अम के बांड के रेट बढ़ाए हैं। वहीं अमेरिका ने बांड की सिक्युरिटी तीन साल से बढ़ाकर दस साल कर दी है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों पर रहा और सोने व चांदी के भाव में गिरावट देखी। भाव में गिरावट आने से राखी के त्योहार के पहले निवेशकों के लिए खरीदारी का अच्छा मौका है। आगे भी गिरावट का रुख बना रह सकता है।

इतने सालों में ऐसे महंगे हुए सोना और चांदी

वर्ष	सोना	चांदी
2011-12	20,775	75,000
2012-13	28,040	56,290
2013-14	29,610	54,030
2014-15	28,470	43,070
2015-16	26,245	37,825
2016-17	28,340	36,990
2017-18	28,950	42,000
2018-19	30,680	38,355
2019-20	31,640	37,245
2020-21	43,000	39,200
2021-22	44,000	62,800
2022-23	51,484	66,990
2023-24	62,800	75,200
वर्तमान दर	71,400	80,300

(दाम सराफा व्यापारियों के मुताबिक, सोना प्रति दस ग्राम और चांदी प्रतिकिलो में)

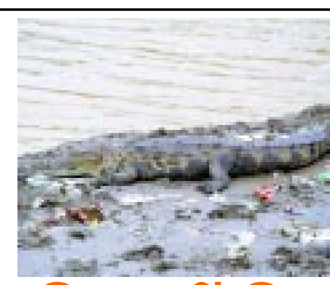

शिवना में फिर मगरमच्छ की चहलकदमी

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दो दिन पहले ही कालाभाटा बांध के यहां मगरमच्छ दिखाई दिया था, अब मंगलवार को फिर शिवना में मगरमच्छ की चहलकदमी दिखाई दी है। शिवना नदी किनारे मगरमच्छ बाहर आकर सुस्ताते रहा। लेकिन, इससे आजनों में दहशत बनी हुई है। रामघाट बांध व शिवना नदी किनारे रहने वालों में मगरमच्छ के लगातार दिखाई देने से वे रात्रि के समय डर के माहौल में रहते हैं। बता दें कि दो दिन पूर्व भी वन विभाग ने मगरमच्छ को पकड़कर चम्बल नदी में छोड़ा था।

मामला दशरथ नगर में बंगले पर हुई चोरी के घटनाक्रम का...

बंगले पर चोरी का सुराग जुटाने नीमच पहुंचे कोतवाली के होनहार

अन्य जिलों में चोरी के तार जोड़ने की कोशिश, मंदसौर में रही नाकामी

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर के पॉश इलाके दशरथ नगर में पिलछे माह चोरी की बड़ी वारदात को बदमाशों की टीम ने अंजाम दिया था। रूटीन की तरह उस समय कोतवाली और इस थाने से जुड़े बड़े अधिकारी ने बंगले के अंदर–बाहर जाकर अवलोकन किया, जिसे निरीक्षण की संज्ञा दी गई। हालत यह है कि घटना को हुए लम्बा समय बीत गया है, बावजूद इसके कोतवाली के हाथ खाली के खाली है। सुराग जुटाने में भी कोतवाली के कारिन्दे सफल नहीं हो सके हैं। पिछले दिनों नीमच में चोरी की बड़ी वारदात हुई थी, यहां सीसीटीवी केमरे में कुछ चहलकदमी दिखाई दी है। ऐसे में कोतवाली के होनहारों ने नीमच जाकर सुराग जुटाने की कोशिश की है। जबकि मंदसौर में हुई चोरी की घटना को ट्रेस करने में नाकाम रहे होनहार अपने अधिनस्थ अधिकारियों के समक्ष दावे पेश करते नजर आ रहे हैं। अब, अन्य जिले में चोरी के मामले में तार से तार जोड़ने की कोशिश हो रही है।

गत 14 जुलाई की सुबह दशरथ नंगर में बड़ी चोरी होने की सूचना कोतवाली के पास पहुंची थी, लेकिन इस चोरी की घटना को हुए लम्बा समय बीत चुका हैं। कोतवाली के कारिन्दों के हाथ खाली के खाली ही हैं। कोतवाली पुलिस की टीम, आलोट, रतलाम तक पहुंच चुकी है, यहां भी चोरी की घटना को मंदसौर की घटना से जुड़े पहलुओं से जोड़कर देखा जा रहा है। एक तरह से यह कहा जा सकता है कि बदमाशों का सुराग जुटाने में कोतवाली पुलिस नाकाम रही हैं। बंगले पर चोरी के संबंध में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा कि नीमच पुलिस टीम पहुंची थी, वहां जाकर पड़ताल की जा रही है। हम कोशिश कर रहे हैं।

तिजोरी उठाकर बाहर ले गए, चाबी से खोली, फिर भी नाकामी–बता दें कि दशरथ नगर में सराफा व्यापारी अभय पोरवाल के बंगले पर चोरी हुई थी। बदमाशों की टीम बंगले में घुसकर भारी भरकम तिजोरी को बंगले से उठाकर बाहर तक ले गई थी। यहां चोबी से तिजोरी खाली गई है। या तो उनके पास मास्टर चाबी रही होगी, या यह कहा जा सकता है कि कोई न कोई करीबी भी हो सकता है। उधर, कोतवाली पुलिस ने जांच–पड़ताल में करीबियों से भी विचार–विमर्श कर लिया है, जिसमें सफलता नहीं मिली है। इधर, यह भी विचारणीय है कि जब बदमाशों के पास मास्टर चाबी रही होगी तो वे तिजोरी को उठाकर बंगले के बाहर क्यों ले गए, जबकि तिजोरी भारी भरकम थी।

कुत्ते के काटने पर ईलाज के बाद ठीक हुआ, 15 दिन बाद मृत्यु

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। करीब पंद्रह दिन पूर्व बड़े अस्पताल में कुत्ते के काटने की दशा में ईलाज के लिए लाए गए एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। उस समय दो दिन के उपचार के बाद वह ठीक हो गया था, लेकिन पंद्रह दिन बाद अचानक तबियत बिगड़ गई।

पुलिस के अनुसार मांगीलाल पिता कारुलाल जाति बागरी 62 वर्ष ग्राम मावता में रहता था, जो कालूखेड़ा थाना जिला रतलाम में आता है। ग्राम मावता मंदसौर जिले की सीमा से लगा हुआ है। 17 जुलाई को मावता में खेत के समीप कृषि कार्य करने के दौरान मांगीलाल बागरी को किसी कुत्ते ने काट लिया। जिसे 17 जुलाई को ही परिजन मंदसौर में बड़े अस्पताल लेकर आए। यहां 17 एवं 18 जुलाई को दो दिन उपचार के बाद वह ठीक हुआ, जिसके बाद परिजन उसे घर ले गए। गत दिनों गांव में अचानक उसकी तबियत बिगड़ी, जिस पर परिजन रतलाम मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। यहां से उपचार के बाद वे वापिस मंदसौर बड़े अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

आए दिन आ रही कुत्तों के काटने की घटनाए–बता दें कि बड़े अस्पताल में ही आए दिन कुत्तों के काटने से पीड़ित ईलाज के लिए आते रहते हैं। कभी–कभी तो एक साथ कई लोग आते हैं। कभी ऐसा भी होता है कि एक ही कुत्ते ने मोहल्ले के अनेक लोगों को अपना शिकार बनाया है। बड़े अस्पताल में कुत्तों के काटने पर लगाए जाने वाले रैबिज इंजेक्शन की मांग भी हर समय रहती आई है, क्योंकि वर्तमान में कुत्तों के काटने से बचाव संबंधी कार्रवाई प्रशासनिक जिम्मेदारों के पास दिखाई नहीं देती है। कुत्तों की संख्या नहीं बढ़े, इसके लिए दस लाख की हरी झंडी भी बीते माहों में होने की खबर है। बावजूद इसके कुत्तों के काटने संबंधी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है।

शहर में झूंड के रूप में घुम रहे रात्रि में कुत्ते, लपकते हैं लोगों पर–मंदसौर शहर में झूंड के रूप में रात्रि में कुत्तों की टोली घुमती देखी जा सकती है। ऐसे कुत्तों की टोली में से एक कुत्ता किसी न किसी व्यक्ति को लपकता रहता है, बाद में सभी उस पर लपक जाते हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में यह स्थिति विद्यमान है। लोग रात्रि में तो डरे–सहमे ही निकलते हैं। इसके साथ ही दोपहर में भी अनेक जगह कुत्तों के लपकने की खबरें मिलती रहती है। नगर पालिका ने अभी तक आवारा श्वानों को धरपकड़ की दिशा में आगे कदम नहीं बढ़ाया है। यह और बात है कि कुत्तों की नसबंदी में अच्छी खासी रकम भी खर्चा कर दी गई है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पिपलियामंडी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। युवक ने फासी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को दोपहर काशी कॉलोनी में आंगनवाड़ी सहायिका अपने घर पहुंची व दरवाजा खोला तो पति कचरुलाल पिता जगदीश बलाई छत पर रस्सी से बने फन्दे पर झूलता देख वह बेसुध हो गई। पड़ोसियों ने जगदीश का शव नीचे उतारा व अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया। बताया गया कचरुलाल उर्फ पप्पू मालवीय सांवलिया भोजनालय पर कार्य करता था। पत्नी आंगनवाड़ी केन्द्र 6 पर सहायिका है, एक बेटा व एक बेटी है, जिन्हें स्कूल छोड़कर आने के बाद कचरुलाल ने आत्महत्या का कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रक–पिकअप भिड़े, एक की मृत्यु, दूसरा गंभीर

सीतामऊ, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। लदूना रोड पर जहाज मंदिर के समीप मार्ग पर मंगलवार रात्रि में ट्रक और पिकअप वाहन में भिड़ंत हुई। इससे पिकअप में सवार दो जनें गंभीर घायल हो गए, इसमें एक की मृत्यु होना बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार ट्रक क्रमांक एमपी 14 एचबी 0715 से पिकअप की टक्कर हुई। बताया गया कि पिकअप लदूना की ओर जा रहा थी, जिसने ओवरटेक किया। सामने से वाहन आने पर वाहन पीछे पहुंचा और ट्रक से टक्कर हुई। मामले में एक घायल का नाम अनिल पिता दयाराम निवासी कोटा होना बताया गया है, जबकि दूसरा बोल नहीं पा रहा था, ऐसे में उसका नाम मालूम नहीं हो पाया। मृत्यु किसकी हुई है, इस पर भी संदेह रहा।

पवन चक्की पर सुरक्षा गार्ड और चोर आमने–सामने

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों गरोठ थाना क्षेत्र में पवन चक्की पर चोरों ने सुरक्षा गार्ड की हत्या कर दी। एक और मामला सामने आया है। जहां असावती में सुरक्षा गार्ड और चोर आमने सामने भी हुए। इस दौरान पत्थर भी चोरों ने फेंके। जिससे सुरक्षा कर्मी को चोट भी आई। यहां फायरिंग की भी खबर चली। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

सुबह चार बजे पवन चक्की असावती नंबर तेरह पर करीब छह चोरों ने आमद दी। यहां से चोर वायर और केबल चोरी कर ले जा रहे थे। इसके बाद सुरक्षाकर्मी ने देख लिया। जिसके बाद चोरों ने पत्थर फेंके। जिससे उसके हाथ में चोट लगी। इसके बाद चोर फरार हो गए। इधर सूचना मिलने के बाद सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। चोरों की तलाश पुलिस कर रही है।

हारे हुओं की जमात में से कौन बनेगा जिलाध्यक्ष डूबती कांग्रेस का..!

उज्जैन/मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर कांग्रेस की खत्म हो चुकी जनसाख को संसदीय क्षेत्र से एकमात्र विपिन जैन ने विधायक बनकर बड़ा पैबंद लगा रखा है। अन्यथा न कांग्रेस रहती ना उसकी जनसाख कहीं नजर आती। यह भी अलग बात है कि विपिन जैन स्वयं जीते हैं कांग्रेस संगठन नहीं, और ना ही कांग्रेसियों ने जिताया होगा। अगर कांग्रेसी संगठन और कार्यकर्ताओं के जोश ने जीताया होता तो कम से कम लोकसभा प्रत्याशी दिलीप सिंह गुर्जर सौ दो सौ मतों की बढ़त पा ही लेते। यह जाहिर करता है कि विपिन की जीत में सिर्फ विपिन जैन की निजी टीम की मेहनत संबंध और कार्य प्रणाली कारण रहे हैं। विपिन जैन जिला अध्यक्ष रहते अपनी जंबो कार्यकारिणी बना चुके थे, जिन्हें बनाया था सभी कांग्रेस पदाधिकारी थे। यही सभी लोकसभा चुनाव के समय भी पदाधिकारी थे। विधानसभा चुनाव के समय तो सभी नए अध्यक्ष की टीम के पदाधिकारी थे। लोकसभा चुनाव के समय तक तो चुनाव लड़ने का अनुभव भी पा चुके थे। अतः होना तो यह था कि विपिन मात्र 2049 मतों से जीते थे, दिलीप गुर्जर को 20 हजार मतों से बढ़त मिलना थी, पर नतीजा बता रहा है कि विधायक प्रत्याशी को जीताने का दावा करने वाले सभी कांग्रेसी का दावा बिल्कुल गलत निकला। प्रमाण दिलीप गुर्जर की मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से हार का अंतर 50196 होना। इस तरह के राजनीतिक दृश्य पर यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि विपिन ने अध्यक्ष रहते खुद के बल पर चुनाव जीता और विगत 20 सालों के अंतराल में जिला कांग्रेस के सफल अध्यक्ष कहला रहे हैं। दिलीप गुर्जर की ऐतिहासिक हार ने जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संदेह के घेरे में जकड़ लिया है। केंद्र में कांग्रेस को 10 साल बाद विपक्ष के नेता बनने का अवसर मिला तो यह कयास लगाए जाने लगे थे कि कांग्रेस प्रदेश की हार के बाद गंभीर समीक्षा की जाएगी। पदाधिकारियों का चयन कसौटियों पर परख कर किया जाएगा, अभी तक ऐसा हुआ नहीं और होता भी नजर नहीं आ रहा है। लेकिन, विपिन जैन ने जिलाध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकश कर बाकी इच्छाधारी पदाधिकारी में स्पर्धा बढ़ा दी है। फेहरिस्त लंबी है अध्यक्ष बनने की इच्छा रखने वालों की।

चन्द्रमोहन भगत

इस बीच पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को प्रदेश समन्वयक बनाने के बाद उनके खास समर्थकों का जोश सतह पर नजर आने लगा है। अचरज इस बात का भी है कि इस दौर में विधानसभा चुनाव हारने वाले अधिक उत्साही नजर आ रहे हैं। कोई पहले हार चुका है कोई बीता चुनाव भी हारे हुए हैं तो कोई निर्दलीय लड़कर हार का तमगा पहन चुके हैं। ऐसे सभी नाम सिर्फ इसलिए चर्चा में है कि सभी किसी ने किसी बड़े नेता के करीबी हैं। इनमें से एक भी जिला छोड़ विधानसभा क्षेत्र का सर्वप्रिय और निर्विवाद नेता नहीं बन पाया है। अगर होते तो लोकसभा चुनाव में नजर आ जाता।

बहरहाल जिला कांग्रेस को सरपंच विपिन जैन जैसा लोकप्रिय कर्मठ कार्यकर्ता की दरकार है, जो जिला कांग्रेस को दिखावा करने वालों से बचा कर जनसाख बढ़ाने का दायित्व बखूबी निभाएं, तभी कांग्रेस का पुनरुत्थान संभव होगा।

बारिश में मोबाईल नेटवर्क दे रहा तनाव...

फोन लगाओ तो आवाज गायब, नेटवर्क का भी पता नहीं

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेसं मोबाइल कंपनियां एक तरफ लगातार टैरिफ बढ़ा रही हैं लेकिन तेज रफ्तार इंटरनेट तो दूर मूलभूत कॉलिंग की सुविधा भी अटक रही है। बात करते-करते अचानक कॉल ड्राप और कंजेशन सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। कभी अचानक नेटवर्क गायब हो जाता है तो डेटा स्लो हो जाता है। इस तरह की समस्याओं से केवल बीएसएनएल ही नहीं बल्कि अन्य कंपनियों के मोबाईज यूजर्स भी खासे परेशान हैं। बारिश के दौरान यह समस्या और भी ज्यादा बढ़ गई है। यह समस्या विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में और ज्यादा हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिले में मोबाइल कंपनियों द्वारा लंबे समय से कई मोबाइल टॉवरों को अपडेट नहीं किया गया है। जबकि मोबाइल यूजर्स की संख्या में लगातार विस्तार होता जा रहा है। कंपनियों द्वारा 4 जी, 5 जी सेवाओं के लिए उपयुक्त बैंड विथ के अनुसार उपकरणों को इंस्टॉल नहीं किया गया है। सीमित उपकरण होने के कारण कॉल ड्राप, कंजेशन, नेटवर्क एरर जैसी समस्याएं बढ़ रहीं हैं। मोबाइल यूजर्स जब एक टॉवर से निकलकर दूसरे टॉवर पर पहुंचता है तो नेटवर्क गायब हो जाता है।

बारिश में बढ़ी समस्याएं–बीएसएनएल के उपभोक्ता सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। टॉवरों को अपग्रेड करने के चलते जो सेवा है वह भी ठीक से काम नहीं कर पा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि फोन कॉल्स करना और प्राप्त करना दोनों ही मुश्किल हो गया है। अक्सर फोन लगाते ही कॉल कट जाती है और नेटवर्क न होने के कारण कई बार जरूरी कॉल्स भी नहीं हो पातीं।

विचार-मंथन

विकास की रफ्तार बढ़ाने के लिए नई पहल

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि आज जिस तरह औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियां बढ़ी हैं, अर्थव्यवस्था के मामले में भारत लगातार ऊपर के पायदान पर चढ़ता नजर आ रहा है, उसमें सड़कों का ढांचा मजबूत किए बिना आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। आर्थिक विकास के लिए समुन्नत सड़कें आवश्यक हैं। इसलिए हर गांव, हर शहर को द्रुतगामी मार्गों से जोड़ने पर बल दिया जाता है। निस्संदेह पिछले कुछ वर्षों में सड़कों के विस्तार, उनकी बेहतरी और पहुंच बढ़ाने की दिशा में काफी काम हुआ है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सड़क गलियारों संबंधी आठ नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के तहत साढ़े पचास हजार करोड़ से ऊपर की लागत से करीब साढ़े नौ सौ किलोमीटर लंबे मार्ग बनाए जाएंगे। इनमें सबसे अधिक परियोजनाएं उत्तर प्रदेश को मिली हैं, जिनमें कानपुर और अयोध्या में रिंग रोड बनाना शामिल है। इन गलियारों से विभिन्न राज्यों को जोड़ने वाले राजमार्गों के बीच पड़ने वाले शहरी अवरोधों को दूर कर द्रुतगामी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। निश्चय ही इन सड़कों के बनने से लंबी दूरी की यात्रा करने वालों और माल ढुलाई में काफी सुविधा होगी। वे शहरों के बीच भीड़ में फंस कर नाहक समय और पैसा बर्बाद करने से बच सकेंगे। औद्योगिक इकाइयों को कच्चा माल लाने और अपने उत्पाद दूसरी जगह भेजने में बहुत आसानी होगी। फिर, सड़कें बेहतर होंगी, तो औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार होगा और निवेश बढ़ने की उम्मीद भी जागेगी। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि आज जिस तरह औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियां बढ़ी हैं, अर्थव्यवस्था के मामले में भारत लगातार ऊपर के पायदान पर चढ़ता नजर आ रहा है, उसमें सड़कों का ढांचा मजबूत किए बिना आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। मगर यह सवाल भी जब-तब उठता रहता है कि आधारभूत ढांचे का अर्थ केवल चौड़ी और तेज रफ्तार सड़कें बना देना भर नहीं होता। उनमें सुरक्षा और अन्य सुविधाओं पर भी समान रूप से ध्यान देने की जरूरत होती है। फिर, जिस ढंग से शहरों का आकार बढ़ रहा है, गांवों से लोगों का शहरों की तरफ पलायन बढ़ रहा है, उसमें उनके बुनियादी ढांचे पर ध्यान कब दिया जाएगा। यह गंभीर सवाल लगातार उठता रहा है कि सड़कों के विस्तार में जो पर्यावरण और कृषि क्षेत्र की जरूरतों का ध्यान नहीं रखा जाता और उसकी वजह से खासकर पहाड़ों पर जैसी मुसीबतें आए दिन टूट पड़ती हैं, उन पर कब ध्यान दिया जाएगा। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में स्थानीय लोगों और पर्यावरण विशेषज्ञों के तमाम विरोधों के बावजूद द्रुतगामी मार्ग बनाए गए। उसमें तकनीकी तकाजों तक की परवाह नहीं की गई। अंधाधुंध पहाड़ों की कटाई की गई, जिसका नतीजा है कि वहां के ज्यादातर पहाड़ भंगुर हो गए हैं और सामान्य बरसात भी झेल नहीं पाते, धंस जाते हैं। सड़कों के निर्माण का विरोध नहीं किया जा सकता, मगर उनसे दूसरी बुनियादी सुविधाओं का नुकसान नहीं होना चाहिए। विकास परियोजनाओं के लिए पर्यावरण आदि विभागों से मंजूरी लेने की शर्तें लचीली कर दी गई हैं, जिसके कारण नाहक तोड़-फोड़ और प्रकृति संरक्षण की प्रतिबद्धता धूमिल हुई है। अनेक शहरों में सड़कों के विस्तार के लिए बहुत सारे लोगों के बसे-बसाए घर जमींदोज कर दिए गए, उन्हें अवैध करार दे दिया गया। फिर, सड़कों, पुलों आदि के निर्माण में जरूरी मानकों की भी परवाह अक्सर नहीं देखी जाती, जिसका नतीजा है कि निर्माण के दौरान ही या कुछ दिनों बाद उनके धंसने-टूटने की शिकायतें आनी शुरू हो जाती हैं। विकास परियोजनाओं में भ्रष्टाचार पर लगाम कसना तो एक बड़ा मुद्दा है ही। तरक्की के गलियारे बनाते समय बुनियादी सरोकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

सेहत से मिलावट का खिलवाड़

ऋतुपर्ण दवे

अब शायद शुद्ध भोजन की गारंटी भी नहीं रह गई है। जब बाजार में बिकने वाली खाद्य सामग्री मिलावटी हो सकती है तो फिर घर में पहुंचाए जाने वाले बने-बनाए भोजन की शुद्धता की गारंटी का भरोसा भला कैसे किया जा सकता है! आजकल, सोशल मीडिया पर, इस संबंध में सचेत करने वीडियो और दावे प्रसारित होते रहते हैं। मगर कमोबेश पूरे देश में लुभावनी वस्तुओं के प्रति क्या बच्चे, क्या बड़े, क्या बूढ़े सभी आकर्षित हो जाते हैं। ऐसी चीजें उत्सवों, सैर-सपाटे की जगहों, मेलों आदि में खूब लोकप्रिय होती हैं। लगता है कि घर से लेकर आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट-पकौड़े, आइसक्रीम या ठंडाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत हमारे देश में मिली हुई है। हद तो तब होती है जब कहीं भी कोई अपनी मर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी प्रतिबंधित या घातक सामग्री, मसालों, रसायनों आदि का गलत अनुपात में खाने-पीने की चीजों में उपयोग करता दिखता है। यों तो खाद्य अपमिश्रण रोकने के लिए देश और हर प्रदेश में कड़े कानून हैं। इसके लिए अच्छा-खासा अमला भी तैनात है, जिसकी जिम्मेदारी मिलावटी और प्रतिबंधित खाद्य सामग्री की नियमित जांच करने की है। मगर कहां, कितनी और कब-कब जांच हुई, शायद ही किसी को याद हो? इन अधिकारियों-कर्मचारियों की सरकारी फाइलें इतनी चुस्त-दुरुस्त होती हैं कि अगर कोई पढ़ ले तो उसे लगे कि इससे सटीक व्यवस्था हो ही नहीं सकती। इस भ्रम में पड़ जाए कि ऐसे नियमों के चलते गलत खाद्य सामग्री बाजार में आ ही नहीं सकती। मगर होता ठीक इसके उलट है। अब तो घरों में मसाला तैयार करना लगभग बंद-सा हो गया है। सभी की निर्भरता बाजार पर हो गई है। पूरे देश में, चाहे गांव, कस्बा, महानगर हो, हर कहीं बाजार में तैयार भोजन या डिब्बाबंद मसालों का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। वहीं छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और गांवों तक में रेस्तरां, होटल और ढाबों में शौकिया खाना जाना भी एक तरह से शान की बात हो गई है। बाहर खाने के चलन ने 'आनलाइन फूड' को एक बड़े कारोबार का रूप दे दिया है। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि आखिर बाजार में बिकने वाला तैयार खाना या खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य के लिहाज कितनी सुरक्षित है? क्या इनको तैयार करने वालों और बेचने वालों तक पहुंचने से पहले गुणवत्ता की पूरी जांच हो पाती है? इसका जवाब ज्यादातर नहीं है। ऐसे में गुणवत्ता से समझौते या स्तरहीनता को परखने का तंत्र और प्रणाली किस काम की? यह क्यों जरूरी नहीं कि बाजार में आने वाली हर खाद्य सामग्री जांच से गुजरे। इसी का फायदा निर्माता से लेकर खुदरा विक्रेता और घर-घर पहुंचाने वालों की पूरी शृंखला उठाती है। निश्चित रूप से खाद्य अपमिश्रण को लेकर भारत में जब-तब मामले और सवाल भी उठते हैं। चाहे सड़क के किनारे, बजबजाती नालियों पर लगे ठेले या रेहड़ी वाले हों या दूर-दराज स्थित ढाबे या फिर बीच शहर के होटल या 'स्ट्रीट फूड' की जगहें। शायद ही कभी वहां नियमित जांच होती हो, जबकि इनकी निगरानी की जिम्मेदारी जिला प्रशासन या स्थानीय प्रशासन की होती है। मिलावट के खेल में, मिलावट रोकने वालों की, बेचने वालों से मिलीभगत के चलते ही नियमित रूप से मिलावट की जांच नहीं हो पाती है। दरअसल, इसके लिए अब एक आनलाइन सार्वजनिक डेटाबेस होना चाहिए। चाहे घर से चलने वाली 'टिफिन कैटरिंग' हो या बाजार में बनाकर बेचने या पैक करने का धंधा हो, सब जगह खाने की गुणवत्ता को लेकर सख्ती होनी चाहिए। इतना ही नहीं, परोस कर बेचे जाने वाले हर उस जगह की रसोई कैमरों की निगरानी में हो, जहां बाहर चमकती कुर्सी-टेबल पर बैठकर खाने वालों को भी दिखे कि खाना कैसे बनाया और परोसा जा रहा है। आनलाइन आपूर्ति करने वाले की रसोई भी निगरानी तंत्र पर रहें। ऐसा होने पर ही मिलावट के धंधे रुक पाएंगे और डिब्बाबंद अमानक खाद्य सामग्री या प्रतिबंधित अखाद्य पदार्थों पर लापरवाही रुकेगी। जब तक इसे लेकर नियम कठोर और सख्त नहीं होंगे तथा कानून का भय नहीं होगा, तब तक मिलावट या खाने की सामग्री में कुछ भी मिला देने पर रोक लग नहीं सकती। परचून की दुकानों, माल या बाजारों में उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजंसी की जानकारी तथा संपर्क सूची अनिवार्यतः लगे, जहां गुणवत्ता में कमी या किसी दोष की शिकायत की जा सके। खाने में अखाद्य तत्त्व मिलने या खाकर बीमार पड़ने की शिकायतें तो सामने आती हैं, मगर कभी कोई नजीर बनने वाली कार्रवाई नहीं होती। ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में अनदेखे या ढीले पड़ जाते हैं। अभी कुछ मसालों में कैंसर पैदा करने वाले तत्त्वों को लेकर सुर्खियां बनीं। जिस तेजी से रेडीमेड मसालों, दूसरी खाद्य सामग्री और पैक खाने का रिवाज बढ़ रहा है, उससे इस कारोबार पर भी दवाओं के निर्माण जैसी बहुत ही कड़ी निगरानी की जरूरत है। इसके लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है, जो बिना किसी दलगत राजनीति के प्रभाव में आए।

आतंक के तार और मादक पदार्थों का खेल

जो तंत्र आतंकवाद मिटाने में लगा है, अगर उसके आंतरिक ढांचे में ही आतंकी संगठनों की घुसपैठ हो जाए, तो मुश्किलें बढ़ेंगी ही। इसलिए सरकार को अपने समूचे तंत्र में हर स्तर पर ऐसे तत्त्वों की पहचान करने की जरूरत है, जो किसी भी रूप में आतंकवादी संगठनों के लिए मददगार हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या बेहद जटिल हो चुकी है, तो इसका एक बड़ा कारण आतंकी संगठनों को कभी-कभार मिलने वाली स्थानीय मदद भी है। अगर आतंकवाद से लड़ने वाले तंत्र में ही कुछ लोग ऐसे हों, जो परोक्ष रूप से आतंकियों के मददगार हों, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे हालात पैदा हो सकते हैं। शनिवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने जिस तरह नार्को-आतंकवाद से कथित संबंधों के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों सहित छह कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया, उससे रेखांकित होता है कि वहां आतंकवाद की समस्या अपने किस जटिल स्वरूप में मौजूद है। सरकार की ओर से कराई गई जांच में सामने आया कि जिन लोगों को सेवा से बर्खास्त किया गया है, वे पाकिस्तानी जासूसी एजंसी (आइएसआइ) और सीमा पार पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूहों द्वारा संचालित नार्को-आतंकवाद का हिस्सा थे। सरकारी कार्रवाई की जद में आए पुलिसकर्मी और कर्मचारी मादक पदार्थों की बिक्री के जरिए आतंकवाद के वित्तपोषण में लिप्त पाए गए।

अनुराग का कटाक्ष और राहुल का आत्मविश्वास- अब भजते रहो जाति-जाति

सुधीश पचौरी

चैनलों में 'कटाक्ष' बरक्स 'कटाक्ष' बरसते हैं। संसद में बरसते हैं। संसद के बाहर बरसते हैं। अथ संसद में राहुल-कटाक्ष, 'देश का हलवा बंट रहा है। आप हलवा खा रहे हैं। बाकी देश को हलवा नहीं मिल रहा है! बजट तैयार करने वाली टीम में एक-दो ओबीसी, एक मुसलिम हैं, लेकिन वे फोटो में नहीं। देश के पिछड़े अभिमन्यु नहीं, अर्जुन हैं! वे चक्रव्यूह को तोड़कर फेंक देंगे। प्रधानमंत्री के आत्मविश्वास को हिला दिया है। आपने जो चक्रव्यूह बनाया है, हम उसे तोड़ने जा रहे हैं। हम 'जातिगणना' पास करके आपको दिखाएंगे। ये चक्रव्यूह आपने बनाया है, वह टूट जाएगा। इस पर आया भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर का कटाक्ष कि जिसकी जाति का पता नहीं, वह जातिगणना की बात करता है। फिर एक पक्ष प्रवक्ता ने कहा कि आप तो 140 करोड़ की जाति पूछते हो, ये क्या उनका अपमान नहीं है? तिस पर प्रधानमंत्री की तारीफ का तड़का कि ऊर्जावान साथी का बयान जरूर सुनना चाहिए, उनके बयान में व्यंग्य। इसके प्रतिवाद में कई विपक्षी नेता लाइन लगाकर बरसते दिखे कि उन्होंने गाली दी है! कि जाति पूछी कैसे, कि ये जातिगणना विरोधी हैं, कि बिना गणना के विकास कैसे हो सकता है..! जाति गणना का एजंडा राहुल ने सेट किया और वही हर चैनल पर बहस का केंद्र बना रहा! एक ने ज्ञान बढ़ाया कि एक नए सर्वे के अनुसार भारत में 46 लाख 76 हजार जातियां हैं। है न हैरत की बात! अब भजते रहो जाति-जाति! बिहार, कर्नाटक आदि कई राज्यों ने गणना कराई हुई है। 2011 में कांग्रेस की केंद्र सरकार करा चुकी है। फिर भी कोई उनको प्रकाशित नहीं करता और राहुल हैं कि आए दिन गणना की बात करते हैं। इस बीच, एक लेखक राहुल पर इतने मुग्ध कि कहते रहे कि इनका वक्त आ सकता है अगर वे सही खेलेंगे, जैसे चक्रव्यूह तोड़ने की बात। राहुल को लोग पसंद करने लगे हैं। ये हिंदू निर्वाण हो रहा है। राहुल सही समय पर सही जगह पर हैं। पहले पप्पू थे! अब वे संघर्ष करके आए हैं। वे हीरो की तरह हैं। राहुल 'फायरिंग' कर रहे हैं। लोग पसंद कर रहे हैं। राहुल शीर्ष पर हैं। राहुल हर अवसर का अपने पक्ष में इस्तेमाल करते हैं। यह चीज काम करती है। आप बजट का 'बैकलैश' देखें, भाजपा क्या इसे नहीं देख पा रही? 'पूंजीगत लाभ' कर से 'मध्यवर्ग' नाराज है। एक एंकर कहिन कि भाजपा सोचती है कि जाति गणना विभाजनकारी है। जवाब में सत्ता प्रवक्ता कहिन कि ये लेखक पहले मोदीभक्त थे! आज ये कह रहे हैं! अपनी 'प्रासंगिकता' खोज रहे हैं। एक राहुल पक्षधर कहिन कि राहुल 'नेरेटिव' सेट कर रहे हैं। आज चक्रव्यूह की बात की! एक विश्लेषक कहिन कि सत्ता में रहना रक्षात्मक बनाता है। भाजपा को नई भाषा में बात करनी चाहिए, जो जोड़ सके। भाजपा की भाषा दस साल पुरानी है। उसे बदलना होगा। फिर एक दिन दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक 'कोचिंग सेंटर' के तलघर में पढ़ रहे विद्यार्थियों के बीच बारिश का पानी घुसने और देखते-देखते तीन विद्यार्थियों के उसमें डूबकर मरने की खबर ने हिलाकर रख दिया! चैनल भी बहुत दिन बाद अपनी रौ में आए। एक चैनल के एक रिपोर्टर ने जैसे ही अवैध बने तलघर के पुस्तकालयों के दमघोंटू वातावरण में पढ़ने वाले प्रत्याशियों का दिल दहलाने वाला एक दुर्लभ-सा रिपोर्ताज देने के साथ कोचिंग केंद्रों, बिचौलियों, नेताओं और प्रशासन की अंधी लूट-खसोट और मिलीभगत का पर्दाफाश किया, वैसे ही दलों और नेताओं के बीच तीखा 'ब्लेम गेम' शुरू हो गया। कोचिंग सेंटरों पर ताले पड़ गए। हर चैनल कहता कि अपने यहां लोगों की जान कितनी सस्ती है। कुछ दिन बाद सब पर लीपापोती हो जाएगी। हम फिर हादसे का इंतजार करेंगे, फिर रोते रहेंगे, फिर हादसे का इंतजार करेंगे, फिर रोते रहेंगे। फिर एक दिन चैनलों पर केरल के वायनाड में बाढ़ और भूस्खलन के कारण एक गांव के अधिकांश निवासियों के मलबे में दबकर मरने वालों की खबर ने सबको हिला दिया। 'आपदा प्रबंधन' वालों और सेना के बचाव कार्य में उतरने की खबर ने जरूर कुछ भरोसा दिया, लेकिन इसके साथ ही 'केंद्र बरक्स राज्य' इस पर भी विपक्ष के कई नेता सरकार पर जम कर बरसे कि 'बाहर लीक और अंदर भी लीक! क्या बात है! फिर आया राहुल का 'एक्स' पर बयान कि मुझे खबर मिली है कि ईडी छापा मार सकती है! उनको 'चक्रव्यूह' वाली बात पसंद नहीं आई! एक मंत्री तुरंत पूछे कि वह खबर देने वाले अफसर का नाम बताएं।

खुशियों का गोल्ड मेडल चाहिए तो देखें ओलिंपिक्स

14 साल की उस जिमनास्ट ने मॉन्ट्रियल में आयोजित 1976 समर ओलिंपिक्स में जो कमाल किया था, उसका जवाब तब की मशीन के पास भी नहीं था। किसी ने नहीं सोचा था कि कोई जिमनास्टिक्स में परफेक्ट 10 भी स्कोर कर सकता है। रोमानिया की नादिया कोमानेची ने वह भ्रम तोड़ दिया। हालांकि स्कोरबोर्ड इस तरह प्रोग्राम्ड नहीं था कि वह इस स्कोर को दिखा सके। आखिरकार स्कोर डिस्प्ले करना पड़ा 1.00। नादिया ने इंसानी क्षमता के एक नए स्तर को दुनिया के सामने जाहिर किया था। कुछ ऐसा ही कारनामा था उसैन बोल्ट का। किसी के पैर 43.99 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार भी पकड़ सकते हैं, यह दिखाया बोल्ट ने। हमारे महानगरों की सड़कों तक पर ट्रैफिक कभी-कभार ही इस स्पीड से दौड़ पाता है। हर चार बरस पर होने वाला ओलिंपिक्स केवल खेलों का महायोजन भर नहीं, यह इंसानी हिम्मत, ताकत और क्षमताओं का कड़ा इम्तिहान भी है। और इस इम्तिहान में ऐथलीट्स को एक-एक कर चुनौतियों को ढेर करते और सफल होते देखने से अधिक आनंददायक कुछ भी नहीं। मुकाबला हर खेल प्रतियोगिता में देखने को मिलता है और मैदान कोई भी हो, वहां तक पहुंचने के लिए मेहनत और जीतने के लिए जज्बा चाहिए ही। लेकिन, बात ओलिंपिक्स पर आते ही हर चीज पहुंच जाती है नेक्स्ट लेवल पर। करोड़ों बरसों के इवॉल्यूशन से गुजरते हुए इंसान यहां तक पहुंचा है। उसके हर एक पल को निचोड़ कर रख देता है ओलिंपिक्स का मंच। दुनियाभर से आए ऐथलीट्स के बीच रहते हुए उनसे टक्कर लेना और खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करना आसान नहीं। महान मुक्केबाज मोहम्मद अली का कहना था कि अगर आपमें जोखिम लेने का साहस नहीं है तो कुछ हासिल नहीं कर पाएंगे। ओलिंपिक्स वह जगह है, जहां इस तरह के जोखिम बार-बार लिए जाते हैं। बार-बार वह सीमा आगे खिसकती जाती है, जहां तक इंसान पहुंच सकता है। इन कीर्तिमानों को बनते-बिखरते देखने में जो आनंद है, वह कहीं और नहीं आ सकता। कोई भी दूसरा खेल इतना वैश्विक नहीं जितना ओलिंपिक्स। न ही कोई इतना समावेशी है और न ही चुनौतीपूर्ण होते हुए भी इतना उदार। हर खेल अपने खिलाड़ियों से केवल जीत मांगता है, लेकिन ओलिंपिक्स कहता है कि शामिल होना ही बहुत बड़ी बात है। तभी तो अमेरिकी फिगर स्केटर मिशेल क्वान ने 1998 में रजत पदक जीतने के बाद कहा कि मैंने गोल्ड नहीं गंवाया है बल्कि सिल्वर मेडल जीता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की गोल्ड मेडलिस्ट तैराक ब्रोंटे बैरेट ने इस भावना को कुछ ऐसे जाहिर किया कि, 'ओलिंपिक्स खेलों का मतलब केवल जीत नहीं है, इसका मतलब है जीतने के लिए प्रयास करना। इसका आदर्श वाक्य है तेज, ऊंचा और मजबूत, न कि सबसे तेज, सबसे ऊंचा और सबसे मजबूत। कभी-कभी प्रयास करना ही मायने रखता है।' कोशिश की आदत को ओलिंपिक्स छूटने नहीं देता, कोई चाहे तो भी नहीं और इन खेलों को देखते हुए इसे आप भी महसूस कर सकते हैं। ओलिंपिक्स असंभव को संभव कर दिखाने वाली जगह है, जहां कोई किम युन-मी बन जाता है, कोई माइकल फेल्प्स, तो कोई इयान मिलर। ये खेल मौका देते हैं इतिहास में नाम दर्ज कराने का और उस लक्ष्य के लिए ऐथलीट्स जी-जान लगा देते हैं। उनके लिए खुद को परखने का सबसे बड़ा मौका होता है ओलिंपिक्स। यही मौका बतौर दर्शक हमारे भी पास है कि हम श्रेष्ठ बनने की उस चाहत से जुड़ सकें। ये खेल अपने पर विश्वास करना सिखाते हैं और बताते हैं कि कुछ भी हमारी पहुंच के बाहर नहीं। गोल्ड मेडलिस्ट स्विमर डॉन फ्रेजर के लिए खेलों की दुनिया में उत्कृष्टता की सबसे सम्मोहक खोज है ओलिंपिक्स। यही खोज हमारे जीवन में भी चल रही है।

औषधि समान होते हैं मित्र...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

किसी भी तरह का रिश्ता हमारे जीवन के सुख दुख का निर्धारण करता हे। समय एवम उम्र के साथ मित्रता बनती, बदलती और बढ़ती रहती हे किंतु कुछ मित्रता वाले रिश्ते स्थायी होकर वृहद रूप भी ले लेते हे। मित्रता एक ऐसा शब्द, संबंध, रिश्ता, नाता या जुड़ाव हे जिसमे चुंबक से भी अधिक आकर्षण, सामर्थ्य, समर्पण, सीख व समझ समाहित हे। संबंधों में सर्वश्रेष्ठ संबंध मित्रता को माना गया हे जिसमे व्यक्ति एक दूसरे से रक्त संबंधो के आधार पर नही जुड़ा होता हे अपितु यह संबंध भावनात्मक होते हे और ऐसा कई बार देखने में आया हे की इन्ही भावनात्मक अथवा मैत्री संबंधो ने रक्त एवम पारिवारिक संबंधो पर भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की हे। खून का रिश्ता न होने के बाद भी मित्रता का रिश्ता उससे कम नही होता हे और कभी कभी तो यह दुनिया के हर रिश्ते से मजबूत बन जाता हे। मित्र कहने व सुनने में एक छोटा शब्द हे किंतु इसके बिना जीवन अधूरा सा हे। संसार में यही एक रिश्ता हे जिसको प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुसार मान्यता देकर उसे निभाता भी हे। जब दो दिल एक दूसरे के प्रति आत्मीयता से भरे होते हे तब उस संबंध को मित्रता कहते हे। मित्रता का अर्थ केवल ओपचारिकता नही वरन एक बड़ा उत्तरदायित्व हे। सच्ची मित्रता यदि हमारा कल्याण कर सकती हे तो बुरी मित्रता हमे गर्त में भी ले जा सकती हे। संसार में शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति हो जिसका कोई मित्र न हो। जाति, धर्म, रूप के भेदभाव वाली कड़ी को तोड़कर मित्र की परिभाषा बनती हे। मित्रता का रिश्ता अत्यंत पवित्र होता हे जंहा अमीर और गरीब का भेदभाव किए बिना सच्चे मित्र अपने रिश्तो को जीवनभर ईमानदारी से प्राथमिकता देकर निभाते हे। मित्र सदैव आत्मविश्वास बढ़ाने वाले होने चाहिए। मित्र हमारे सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक भी होते हे। हमे अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए की मित्रता की सच्ची मिसाल भारत से ही पूरे विश्व में फैली हे। इस संसार में सच्ची मित्रता से अनमोल कोई भी वस्तु नही हे इसे हमारे भारतीय विचार और संस्कृति ने अनेक प्रसंगों और प्रेरणादायी उदाहरणो के द्वारा स्थापित भी किया हे। भारतीय इतिहास तो ऐसे संबंधो से भरा पड़ा हे जंहा मित्र ने मित्रता के खातिर अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मित्रता सुग्रीव व भगवान राम सी एवम कृष्ण सुदामा सी होनी चाहिए जिसमे बड़े छोटे का अंश मात्र भी अहंकार न हो। मित्र जीवन में एक ओषधि के समान होते हे। अच्छे मित्र से यही अपेक्षा रहती हे की वे हमे दोष और त्रुटियों से बचाएंगे। जीवन की भागदौड़ व संघर्ष में जब हम हतोत्साहित हो तब वे हमे उत्साहित करेंगे। सभी लोग अच्छा मित्र बनाना चाहते हे पर इससे भी जरूरी हे की हम स्वयं एक अच्छे मित्र बने। इसलिए अच्छा मित्र बनना ही अच्छा मित्र बनाने का सबसे आसान उपाय हे। ऐसे मित्र जो हमारे सुख दुख के सच्चे साथी हे उन्हे सो बार भी रूठने पर उसी तरह मनाना चाहिए जिस तरह से हम कीमती मोतियों के हार के टूट जाने पर उसे बार बार धागे में पिरोकर सुरक्षित रखते है।

–गौरव सोनी, मंदसौर

पशुपतिनाथजी के दर्शन की व्यवस्था नंदी के मुख की ओर से की जाए–तोमर

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर नगर को विश्व पटल पर भूताभवन भगवान श्री पशुपतिनाथ जी के अष्टमुखी मंदिर के नाम से जाना पहचाना जाता है। दूर दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन लाभ लेने नियमित रूप से आते है। मन्दिर की ख्याति पूरी दुनिया में है। लेकिन वर्तमान समय में मंदिर परिसर में फैली भारी अव्यवस्थाओं के कारण भोलेनाथ के भक्तों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। असुविधाएं भी इतनी बढ़ गई है जिसके चलते मंदिर में हमेशा की तुलना इस बार श्रावण मास में श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर घटती जा रही है। यही नहीं मनोकामना अभिषेक में जहां पहले बैठने वाले श्रद्धालुओं की लाइने लगती थी वहीं इस बार एक - दो श्रद्धालु ही इस अभिषेक में बैठे नजर आ रहे है।

मन्दिर से जुड़े पुराने पंडितों एवं श्रद्धालुओं के अनुसार श्रावण मास में शिवालय के दर्शन नंदी के मुख की ओर से होना महत्वपूर्ण माना जाता है लेकिन मंदिर के अकुशल प्रबंधन द्वारा इस व्यवस्था को धार्मिक महत्व वाले दिन सोमवार को बंद कर दिया जाता है जिसके कारण श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही है। यह बात मन्दसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने नवागत कलेक्टर अदिति गर्ग को लिखे पत्र में लिखी है।डॉ तोमर ने पत्र में लिखा है कि इसी प्रकार प्राय: देखने में आता है की सुरक्षा में तैनात गार्ड एवं पुलिस कर्मी गर्भ गृह में आरती एवं श्रंगार के समय प्रवेश कर जाते है जबकि इस समय केवल पुजारियों का प्रवेश ही होता है। इस प्रकार मंदिर समिति के स्थानीय प्रबंधन की घोर लापरवाही प्रतिदिन सामने आ रही है। डॉ तोमर ने कलेक्टर से अनुरोध है कि अष्टमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर की अव्यवस्थाओं को ठीक करने हेतु आप ठोस कार्य योजना बनाएं एवं मंदिर दर्शन की व्यवस्था नंदी के मुख की ओर से कराने की व्यवस्था करने के निर्देश प्रदान करने का कष्टकरें।

डाकघरों से प्राप्त करें राष्ट्रीय ध्वज

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अधीक्षक डाकघर मंदसौर द्वारा बताया गया कि हर-घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों के दिलों में देश भक्ति की भावना जागृत करना व सामाजिक समरसता पैदा करना है। हर–घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत इस वर्ष भी भारतीय डाक विभाग द्वारा राष्ट्रीय ध्वज 25 रूपये प्रति तिरंगा में उपलब्ध कराया जा रहा है। अधीक्षक डाकघर मंदसौर संभाग ने सभी सम्मानीय नागरिकों से अनुरोध किया है कि वह अधिकाधिक संख्या में डाकघर के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज प्राप्त कर अपने-अपने घरों व संस्थानों में फहराकर राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस प्रफुल्लता व उमंग के साथ मनाएँ।

गायत्री परिवार ने किया पौधारोपण

पिपलियामंडी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अखिल विश्व गायत्री परिवार के वृक्ष गंगा महाअभियान के तहत पिपलिया टीलाखेड़ा स्थित मुक्तिधाम परिसर में 51 पौधों का रोपण किया। जिसमें फलदार बेलपत्र, जामुन, खीरनी, आंवला एवं छायादार गुलमोहर, अमलतास, पीपल, करंज हारसिंगार के पौधे लगाए।

अधिकारी छात्रावासों का निरीक्षण कर, प्रतिवेदन प्रस्तुत करें–गुरु प्रसाद

नीमच, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी छात्रावासों के निरीक्षण के लिए शासन निर्देशानुसार जिले के अधिकारियों को दायित्व सौपे गऐ है। सभी संबंधित अधिकारी छात्रावासों का निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन तत्काल प्रस्तुत करें। सीएम हेल्पलाईन में 50 दिवस से अधिक की लंबित सभी शिकायतों का निराकरण कर, पोर्टल पर दर्ज करें। राजस्व, पंचायत, नगरीय निकाय, स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग अपनी-अपनी सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों पर विशेष ध्यान दे। निराकरण का प्रतिशत बढाए। यह निर्देश कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जिला अधिकारियों की बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड व्दारा दिए गए। बैठक में सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि उनके व्दारा करवाए गए पौधारोपण के सभी पौधों को अंकुर वायुदूत पोर्टल पर अपलोड करवाए। पेंशन हितग्राहियों की समग्र पोर्टल पर आधार, ई-केवायसी का कार्य शतप्रतिशत पूर्ण करवाएं। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने एसडीएम को निर्देश दिए कि वे ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत सभी हितग्राहियों को खाद्यान्न की पात्रता पर्ची प्रदान करना सुनिश्चित करें। साथ ही जर्जर भवनों को चिन्हित कर, उन्हें डिस्मेंटल करने की कार्यवाही करें। आकाशीय बिजली से बचाव एवं सुरक्षा के लिए दामिनी एप्प का प्रचार प्रसार कर ग्रामीणों और किसानों से दामिनी एप्प डाउनलोड करवाए। उन्होने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व महाअभियान के तहत नामांतरण एवं बंटवारा, नक्शा तरमीम एवं खसरा, ईकेवायसी का कार्य 31 अगस्त के पहले शतप्रतिशत पूर्ण करें।

सरपंच ने मनमानी कर नियम विरुद्ध निजी खेत से निकाली सड़क

आरोप यह कि खेत मालिक से मांगी 10 हजार की रिश्वत, शासन की राशि का हो रहा दुरुपयोग

मनासा, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत पावटी के नाम मनासा अनुविभागीय अधिकारी , राजस्व उपखण्ड मनासा को पप्पुलाल गायरी ने शिकायत की थी। पप्पू ने शिकायत कर आरोप लगाकर बताया कि ग्राम पंचायत पावटी द्वारा जबरन मालिक आधिपत्य की कृषि भूमि स्थित सर्वे नं. 87. 89 में 89 में जेसीबी से मेरी कृषि भूमि खोद कर मेरी निजी भूमि में रोड बना दिया है जिसे हटाये जाने एवं पानी की निकासी करवाए जावे निजी मालकी स्वामित्व आधिपत्य की कृषि भूमि मौजा पावटी में सर्वे नं. 87 रकबा 0.38 है व 89 रकबा 0.09 है. की स्थित है, ग्राम सरपंच गोपाल धनगर द्वारा माह जून 2023 में जब मैं मेरी रिश्तेदारी में मर जाने के कारण बाहर गया था तो रात्रि में जेसीबी मशीन लगाकर अवैध रूप से मेरी निजी कृषि भूमि में 40 मीटर लम्बा व करीब 10 मीटर चौडाई का सुदुर सडक योजना के अत्तर्गत रोड अवैध रूप से बना दिया है और मेरी उपजाऊ सिंचित कृषि भूमि नष्टकर दी जब मैं बाहर से घर आया तो दिनांक 06-06-2023 को मेरे खेत पर जाकर देखा कि अवैध रूप से मेरी निजी कृषि भूमि में ग्राम पंचायत पावटी द्वारा अर्थ वर्क रोड बना दिया। जब मैंने ग्राम पंचायत में जाकर सरपंच गोपाल पिता कारूलाल धनगर से कहा कि जो पुराना रास्ता निकल रहा है उसे मध्य से करके शासकीय भूमि में रोड निकालना था मेरी बिना सहमती के मेरी निजी कृषि भूमि में सड़क क्यों बना दी तो सरपंच द्वारा 10,000 रूपये की मांग की गई की अगर आप हमें 10,000 रूपय दे देते हो तो हम आपकी कृषि भुमि से जो पडा है उसे हटवा देंगे मेरे द्वारा सरंपच 10.000 रूपये नही दिये तो संरपच के द्वारा अवैध मिट्टी डालकर कृषि भूमि में रोड बना दिया था वर्तमान में उक्त भुमि पर रोड का पानी व साईड का पानी भी प्रार्थी के खेत में भरा रहा है जिससे सोयाबीन की खड़ी फसल को नुकसान हो रहा है। आज दिनाक 2/8/24 को एसडीएम राजस्व अधिकारी को दिया इससे पहले भी एसडीएम अधिकारी आवेदन अधिकारी पद पंचायत मनासा को दिया गया परन्तु अभी तक मेरे खेत से अवैध मिट्टी पंचायत द्वारा नहीं हटाई गई नही पानी निकासी का कोई कार्य किया गया। महत्त्वपूर्ण उपजाऊकृषि को तहस नहस कर दी है। लघु सीमांत कृषक हूँ और परिवार पूर्ण रूप से इसी कृषि भूमि पर और मेरी कृषि भूमि में करीब 48 मीटर लम्बाई व 10 मीटर चौडाई की भूमि उक बना कर मेरी उपजाऊभूमि नष्टकर दी है तथा अवैध मिट्टी डालने से खेत में 3 फिट पानी भरा है और सम्पूर्ण खेत की फसल नष्ट हो रही है जिससे मेरे - भरण पोषण का संकट उत्पन्न हो जावेगा और मुझे व मेरे परिवार की क्षति हो रही है जिसकी पूर्ति करना असंभावित हो जावेगी।

यह भी आरोप है कि पंचायत के सरपंच द्वारा मेरी निजी भूमि में अवैध रूप से जेसीबी लगाकर अवैध रोड है और मजदूरो के नाम से फर्जी भुगतान निकालकर ग्राम पंचायत के सचिव शासन की राशि का दुरपयोग कर रहे है और मौके पर किसी भी कार्य नहीं किया है। रोड नक्शे के अनुसार निकालना था उस रोड को सरपंच हट धमी की आपपास के लोग जिनकी वहा कृषि भुमि थी उनसे सरपंच द्वारा हजार रूपये की मांग करी थी लेकिन संरपच गोपाल द्वारा उक्त रास्ते को अमरचंद पिता सीताराम, कारू पिता बन्दु व 23 पंचो की शामलाती जमीन के बीच में निकलना था वो सरपंच गोपाल की दबंगता से द्वारा रोड को अपनी इच्छानुसार रोड को टेडा कर प्रार्थी के

खेत मे से निकाल दिया। तथा ये रास्ता जगदीश पिता ब्राहम्ण व गोपाल पिता नंदलालजी ब्राहम्ण के खेत में से निकालना था उस खेत में से रोड नहीं निकालकर मेरे के खेत में से रोड निकाल दिया निजी कृषि भूमि में मेरी बिना जानकारी व बीना मेरी अवैध रूप से जो रोड डाल दिया गया है उसे हटाया जावे एवं मेरी कृषि पानी निकासी की उचित व्यवस्था करवाई जावे व अवैध रुप मलने से मेरी उपजाऊभूमि नष्टहो गई है और इस वर्ष वहा पर फसल नहीं का आंकलन करके कृषि भूमि में हुई क्षति की नुकसानी लगभग 10 लाख की नुकसानी की राशि दिलाये जाने की मांग एसडीएम पवन बरिया से की ग्राम पंचायत पावटी के पप्पूलाल पिता राधेश्याम गायरी लगातार 1 वर्ष से सभी विभागो में चक्कर पर चक्कर काट रहा वर्तमान में जैसे ही जोरदार बारिश हुई वैसे ही पप्पुलाल गायरी के खत में करीब 3 फिट पानी भर गया जिसके बाद पावती के सरपंच गोपाल धनगर से कहा तो उन्हें कहा गया तुम जहा चाहो वहा शिकायत करो सब पैसे में बिकते है और यह रोड बनाने से पहले ही मेने अधिकारियों को पहले नगद पैसे दिए जब रोड पास किया और सर्वे कर इस रोड के रूपये डाले है।

ग्राम पंचायत पावटी के पप्पूलाल पिता राधेश्याम गायरी का आरोप है कि वह लगातार 1 वर्ष से सभी विभागो में चक्कर पर चक्कर काट रहा वर्तमान में जैसे ही जोरदार बारिश हुई वैसे ही पप्पुलाल गायरी के खेत में करीब 3 फिट पानी भर गया जिसके बाद पावती के सरपंच गोपाल धनगर से कहा। उन्होंने कहा कि कहा गया तुम जहा चाहो वहा शिकायत करो सब पैसे में बिकते है और यह रोड बनाने से पहले ही मेने अधिकारियों को पहले नगद पैसे दिए जब रोड पास किया और सर्वे कर इस मद के रूपये डाले है। पीड़ित पप्पूलाल का आरोप है कि सरपंच गोपाल धनगर पहले खाद्यान की दुकान पावटी में संचालित करता था जिसके बाद समिति के माध्यम से महिला में इसके पत्नी नाम से पावटी खाद्यान की दुकान है जो वर्तमान में इसने किसी अन्य को किराए पर दे रखी है जिससे लोगो सरपंच पद और खाद्यान में भी कई बार चावल पकडे गए जिसका तोड करके अपना काम चला रहा है।

इनका कहना है–जनपद पंचायत सीईओ अरविंद डामोर द्वारा बताया गया कि इसकी जानकारी शिकायत मुझे नही मिली है। मुझे शिकायत देता है तो मै देखकर कार्वाई करूंगा।

मेनपुरिया चौराहे पर कई दिनों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट की चालू

मेनपुरिया, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। (दीपक जादव) मेनपुरिया चौराहा नीमच मार्ग पर कई दिनों से बंद पडी स्ट्रीट लाईट की खबर प्रमुखता से प्रकाशित कर नगर पालिका द्वारा स्ट्रिप लाइट चालू किए जाने की खबर लगाई थी। मेनपुरिया निवासी दुर्गेश धनगर ने बताया था कि सावन माह में कहीं भक्तजन , अष्ट्मुखी महादेव भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करने आते हैं वही रात के समय स्ट्रिप लाइट कई दिनों से बंद होने के कारण वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे थे। इस खबर के बाद सोमवार को नगर पालिका ने बंद पडी स्ट्रिप लाइट को चालू कर रात का सौंदर्यीकरण बढाया।

सोमवार को भक्तों के हाल जानने निकलेंगे भूरिया महादेव

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी मेघदूत नगर स्थित श्री भूरिया महादेव पूरे ठाठबाट के साथ ,शाही रथ में सवार होकर क्षेत्र के भक्तो का हाल जानने निकलेंगे,इस शाही सवारी में,शहर के मशहूर बैंड के साथ,ढोल ताशे, डीजे, फूलो की बरसात के साथ,मातृशक्ति पीले या लाला वस्त्र,और पुरुष धोती कुर्ता और साफे के साथ शामिल होंगे,समिति के अध्यक्ष डॉ गौतम वप्ता,सचिव रघुनंदन बैरागी,एवम वरिष्ठ संरक्षक नेमीचंद खिमेसरा ने बताया की लगातार पांचवे वर्ष भी निकलने वाली इस शाही सवारी को और भव्य बनाने के प्रयास किए जा रहे है,शाही सवारी के बाद शाम 7:30 पर मंदिर पर महाआरती के पश्चात 425 किलो खिचडी का भोग भक्तो में वितरित किया जाएगा।समिति मेघदूतनगर,यश नगर,केशव कुंज,सिद्ध श्री,पुलिस कालोनी,कर्मचारी कालोनी सहित सभी नगर वासियो से अनुरोध करती है,की अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस धार्मिक कार्य में अपना योगदान दे। यह जानकारी नेमीचंद खिमेसरा ने दी।

अग्र उत्सव महिला क्लब ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अग्र उत्सव महिला क्लब के द्वारा हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया जिसमें बडी संख्या में महिलाओं ने शामिल होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस मौके पर क्लब संयोजिका भारती अग्रवाल, शशि अग्रवाल, कल्पना गर्ग और लीडर मधु मित्तल, कविता गोयल, कल्पना गोयल, सोनिया अग्रवाल, अलका अग्रवाल के द्वारा अनेक गतिविधियां करवाई गई। सभी सदस्यों को कुमकुम अक्षत लगाकर वेलकम गिफ्ट दिया और उनका स्वागत किया गया , भगवान शंकर और माता पार्वती से सुख और सौभाग्य की कामना की गई इस, शुभ मौके पर तीज और सावन की थीम लेकर अनेक गेम और हाउजी करवाई गई साथ ही तीज क्वीन को भी चुना गया तीज क्वीन का खिताब ज्योति अजय अग्रवाल ने जीता। क्लब संयोजिका भारती अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर लक्की ड्रा भी निकाले गए जिसके विजेता निशा मित्तल,चेतना गुप्ता,मंजू अग्रवाल रहे।नींबू रेस में प्रथम रश्मि गर्ग,द्वितीय सुनीता गोयल रहे। हैप्पी तीज गेम में प्रमिला गोयल प्रथम एवं माधुरी गर्ग द्वितीय रहे। हैपी सावन में प्रथम पवित्रा गर्ग, द्वितीय रानी सिंहल तृतीय आशा अग्रवाल रहे। मजेदार तीज तंबोला के विजेता में सुमन अग्रवाल, शालिनी सिंहल, विभा गोयल, रजनी अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, स्वाति सिंहल, सोनिया अग्रवाल, आरवी अग्रवाल, हंसा गोयल, सरिता अग्रवाल, सपना गोयल, चंदा गर्ग रहे। इस अवसर पर खुशबू सिंहल का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन भारती अग्रवाल ने किया और आभार शशि अग्रवाल ने माना।

छात्र छात्राओं ने किया वन विहार, प्रकृति से हुए रुबरू

नगरी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सीएम राइस शाउमा विद्यालय के छात्र छात्राओं ने नगर के प्राचीन धार्मिक स्थल नगराज भेरू मगरा पहुँच कर वन विहार करते हुए मंदिर परिसर में विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिता में सहभागिता कीं संस्था प्रभारी श्रीमती रीता शर्मा ने बताया कि छात्र-छात्राओं को प्राकृतिक सौंदर्य एवं वातावरण से रूबरू करने के उद्देश्य से संस्था के करीब 250 छात्र छात्राओं को नगर से 3 किमी दूर नगरी आक्या मार्ग पर स्थित नगराज भेरूजी मंदिर पर पैदल ले गए। मंदिर के चारों ओर फैली मगरी पर छात्र छात्राओं को को भ्रमण करवाते हुए विभिन्न जानकारियां दी गई। मंदिर परिसर में पोस्टर प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने पोस्टर बनाएं, मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया गया। संस्था के जीव विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षक यशवंत कुमार धाकड द्वारा विभिन्न प्रकार के पौधों के औषधीय गुणों, वानस्पतिक नाम,एवं अन्य महत्व के बारे में जानकारी दी गईं उनके वानस्पतिक नाम तथा उनके इस दोरान प्राचार्य श्रीमती रीता शर्मा सहित यशवंत कुमार धाकड, अनिल सुथार, शंकर सिंह चौहान, कमलेश धाकड, भंवरलाल सागित्रा, गोपाल धाकड, मोहनलाल डोहरा, रिलीफ पिछोलिया एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

बजट हमेशा लोक हित को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए–सीए भाटिया

मंदसौर सीए ब्रांच ने बजट पर आयोजित की कार्यशाला

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। किसी भी सरकार को बजट बनाते समय लोक हित को सर्वोपरि रखकर ही प्रावधानों में परिवर्तन किया जाना चाहिये। इस वर्ष के बजट में वित्तमंत्रीजी ने यह प्रयास किया है कि कर पावधानों का सरलीकरण भी हो और मध्यमवर्ग पर कर का बोझ भी कम पडे। इस दृष्टि से आयकर की विभिन्न धाराओं में फेरबदल किया गया है ताकि कर प्रणाली भी आसान हो और कर चोरी की संभावनाओं में भी कमी आये।

उक्त विचार जयपुर के प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए अनूप भाटिया ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा बजट पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। जयपुर के युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए पुलकित खंडेलवाल ने बजट में जीएसटी के प्रावधानों में किये गये परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि नये प्रावधानों से धीरे धीरे जीएसटी में आने वाली समस्याओं से निजात मिलेगी और जीएसटी का भी सरलीकरण होगा जिससे विवाद व अपील की संख्या में कमी होगी। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने बताया कि मन्दसौर सीए ब्रांच निरन्तर सेमिनार व वर्कशाप के माध्यम से अपने सदस्यों व विद्यार्थियों को नवीन प्रावधानों के बारे में जानकारी प्रदान कर रही है और इसका लाभ सदस्यों के साथ साथ यहां के व्यापारी जगत को भी प्राप्त होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर जिला आयकर अधिकारी श्री संजीव मलिक ने कहा कि करारोपण से एकत्रित राशि का उपयोग पुन: जनता को आधारभूत सेवाएं देने के लिये ही किया जाता है। अत: प्रत्येक नागरिक को देशहित में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ईमानदारी से कर चुकाना चाहिये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया ने कहा कि इस बार बजट में दीर्घकालीन विकास की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अधोसंरचना पर काफी प्रावधान किये गये है। साथ ही प्रत्येक परिवार को अपना आवास मिले, इसके लिए भी बजट में प्रावधान किये गये हैं। मन्दसौर विधायक श्री विपिन जैन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित किये जा रहे शैक्षणिक व सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 6 माह में मन्दसौर सीए ब्रांच ने नगर की जनता के बीच में अपने कार्यों से उत्कृष्टछवि बना ली है। कार्यक्रम को वरिष्ठ समाजसेवी श्री विजय सुराना व मन्दसौर कॉलेज के प्राचार्य सीए दिनेश गुप्ता ने भी संबोधित किया। अतिथि परिचय सीए राजेश मंडवारिया व सीए अंकित श्रीमाल द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सीए आयुष जैन ने किया व आभार प्रदर्शन सीए विकास भंडारी द्वारा किया गया।

सैनिकों के लिए भेजे रक्षा सूत्र

पिपलियामंडी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शारदा पब्लिक हासे स्कूल पिपलिया के बच्चों ने आगामी रक्षा बंधन पर्व के उपलक्ष में देश के जांबाज सैनिकों के सम्मान में रक्षा सूत्र भेजे। संचालक ओमप्रकाश गेहलोत ने बताया स्कूल के बच्चों ने रक्षा सूत्र (राखी) सैनिकों के उत्साहवर्धन के लिए और बच्चे देश के प्रति देशभक्ति का जज्बा अपने दिलों में कायम रख सके। इस उद्देश्य को लेकर देश भक्ति का एक अंगूठा आयोजन संस्था ने किया। जिसमें बच्चों के बनाए गए रक्षा सूत्र एवं शुभकामना संदेश एकत्रित कर भूतपूर्व सैनिक आरसी महावर को दिए गए। ताकि वे सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक यह पहुंचा सके।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	20	2425	2540
उडद	00000	00000	00000
सोयाबीन	4000	3553	4451
गैहु	3500	2521	3100
चना	275	6500	7038
मसुर	253	5299	6190
धनिया	310	5000	7101
लहसुन	12700	7000	23000
मैथी	700	4852	6200
अलसी	1020	5201	5601
सरसो	200	4820	5300
तारामीरा	0000	00000	00000
इसबगोल	75	9800	12400
प्याज	2048	1200	3200
कलोंजी	23	8500	18050
डॉलर	30	10399	11501
तिल्ली	85	9201	12031
मटरसुखी	13	3390	7120
असालीया	18	8501	9301

दिनांक 07 अगस्त 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे–
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

मंदबुद्धि योग..?

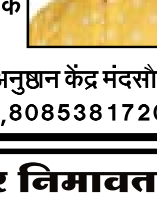

✻ जिस जातक की जन्मकुंडली मे पंचम भाव का स्वामी छटे/आठवे/बारहवे भाव में बैठा हो तथा बुध एवं गुरु दोनों ही ग्रह अशुभ एवं कमजोर हो तो ऐसा जातक अवश्य ही मंदबुद्धि वाला होगा।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम-सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री हीरालाल पिता रामनारायण जी जाति पाटीदार, निवासी ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 14, ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 217 रकबा 2.811 हैं. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 215, 216 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 221, 222 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 218, 220 की भूमि, पश्चिम् में – राजस्थान की सीमा एवं भूमि सर्वे क्रमांक 218 रकबा 0.543 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 209 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 220 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 219 की भूमि, पश्चिम में – सर्वे क्रमांक 215, 217 की भूमि एवं भूमि सर्वे क्रमांक 220 रकबा 0.460 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 218 की भूमि, दक्षिण में – रास्ता, पूर्व में – रास्ता, पश्चिम् में – सर्वे क्रमांक 217, 221 की भूमि एवं भूमि सर्वे क्रमांक 223 रकबा 0.199 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 221, 222 की भूमि, दक्षिण में – राजस्थान की सीमा, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 221 की भूमि, पश्चिम् में – राजस्थान की सीमा, को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 06.08.2024 भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम-सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने सरीताबाई , संतोषबाई पिता हीरालाल जी जाति पाटीदार, एवं पपीता, दीपमाला पिता श्यामसुन्दर जी जाति पाटीदार, निवासीयान ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 14, ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 222/1 रकबा 0.063 हैं. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 217 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 223 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 221 की भूमि, पश्चिम में-राजस्थान की सीमा, को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 06.08.2024 भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम-सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री दशरथ पिता हीरालाल जी जाति पाटीदार, निवासी ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 14, ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 221/4 रकबा 0.923 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 217 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 225 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 220 की भूमि, पश्चिम में – सर्वे क्रमांक 221 की शेष भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 06.08.2024 भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री त्रिलोक पिता श्यामसुन्दर जी जाति पाटीदार, निवासी ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 14, ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 221/2 रकबा 0.462 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 217 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 223, 224, 225 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 221 की शेष भूमि, पश्चिम की शेष भूमि को मे रे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 06.08.2024 भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम-सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री दिलखुश पिता श्यामसुन्दर जी जाति पाटीदार, निवासी ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 14, ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 221/1 रकबा 0.0461 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में – सर्वे क्रमांक 217 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 223 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 221 की शेष भूमि, पश्चिम् में – सर्वे क्रमांक 222 की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 06.08.2024 भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

✻✻ जाहिर सूचना ✻✻

बनाम-सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता हैं कि मेरे व्यवहारी ने श्री शांतिलाल पिता हीरालाल जी जाति पाटीदार कुल्मी, निवासी ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 14, ग्राम बोरखेड़ी, तहसील जावद में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 221/3 रकबा 0.923 हें. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में-सर्वे क्रमांक 217 की भूमि, दक्षिण में – सर्वे क्रमांक 225 की भूमि, पूर्व में – सर्वे क्रमांक 221 की शेष भूमि, पश्चिम् में – सर्वे क्रमांक 221 की शेष भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया हैं। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा।

उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक:- 06.08.2024 भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

कलेक्टर के निर्देश से जनसुनवाई कक्ष के बाहर नवीन आयुष्मान केंद्र प्रारंभ

सभी जिलाधिकारी जनता की समस्या को ध्यान से सुने, सरकार ने आपको जनता की समस्या सुनने के लिए बिठाया, सामाजिक न्याय विभाग दिव्यांगजनों को तत्काल व्हील चेयर प्रदान करें

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। साप्ताहिक जनसुनवाई कलेक्टर कार्यालय सभागृह में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने सभी लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना तथा तत्काल मौके पर निराकरण करवाया। कलेक्टर के निर्देश के पश्चात जनसुनवाई के बाहर आयुष्मान केंद्र प्रारंभ हो गया है, आज जो लोग आयुष्मान कार्ड न होने से संबंधित शिकायत लेकर आए थे, उनका आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। अब प्रति मंगलवार आम जनता के आयुष्मान कार्ड जनसुनवाई के दौरान भी बनेंगे। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं को बहुत ही गंभीरता के साथ, ध्यान पूर्वक सुने तथा निराकरण भी उतनी ही गंभीरता के साथ करें। सरकार ने आपको आम जनता की समस्या निराकरण के लिए बिठाया है, इसलिए

आम जनता की समस्या को अच्छे सुने। जनसुनवाई में 104 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, ऑनलाइन माध्यम से विकासखंड के अधिकारी जुड़े तथा वीसी के माध्यम से भी लोगों की समस्याओं को सुना और निराकरण किया।

कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जितने भी दिव्यांग व्यक्तियों ने व्हीलचेयर के लिए आवेदन किया है, उनको तत्काल व्हीलचेयर प्रदान करें। इसके साथ ही कुछ लोगों ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए आवेदन दिया था, इस पर कलेक्टर ने कहा कि नियमानुसार जांच कर पात्रता के आधार पर तुरंत पेंशन प्रकरण स्वीकृत किया जाए।

सभी राजस्व अधिकारी आदेश के साथ-साथ उसका पालन भी फील्ड में करवाए– कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि रेवेन्यू कोर्ट से जितने भी आदेश होते हैं, आदेश जारी होने के साथ-साथ उसका फील्ड में पालन भी होना चाहिए। अगर जनसुनवाई में कोई व्यक्ति आवेदन देता है तो उसका निराकरण आदेश में करने के साथ-साथ ही फील्ड पर भी उसका निराकरण होना चाहिए। सभी एसडीएम अपनी अपनी कोर्ट को अच्छे से देखें। साथ ही अपर कलेक्टर सभी एसडीएम, तहसीलदारों की कोर्ट को चेक करेंगे, सभी तहसीलदार कंफर्ट जोन से बाहर निकल के कार्य करें। नायब तहसीलदार संजीत को बिना जांच किए ही प्रकरण को सीधे कलेक्टर को भेजने पर नोटिस जारी करने की निर्देश दिए गए। इस संबंध में विशेष तौर पर कहा कि सिर्फ प्रकरण के निराकरण के लिए ही कार्यवाही ना करें, उस प्रकरण की व्यवस्थित जांच करें। उसके पश्चात निराकरण करें। जितने भी आदेश जारी किए जाते हैं उनका जमीनी स्तर पर लागू करें। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें।

बारिश से हुए गड्ढों में नपा ने डाला भराव : विगत दिनों शहर में हुई बारिश की वजह से शहर की सड़कों पर गड्ढे हो गए थे। कहीं छोटे तो कहीं बड़े गड्ढे भी रहे। नगर पालिका ने जागरूकता का परिचय देकर मंगलवार को गड्ढों में भराव डालकर उन्हें बुरने की कार्रवाई शुरू की है।

गरोठ-उज्जैन फोरलेन से कनेक्टिविटी हेतु मकड़ावन से शामगढ़ तक सड़क चौड़ीकरण होगा

भोपाल में प्रधानमंत्री सड़क विकास प्राधिकरण की महाप्रबंधक श्रीमती तन्वी सुंद्रियाल से वरिष्ठ विधायक हरदीप सिंह डंग की चर्चा

भोपाल/मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा विधानसभा के शामगढ़ से गरोठ-उज्जैन फोरलेन की कनेक्टिविटी का रास्ता साफ हो गया है। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक श्री हरदीप सिंह डंग ने मंगलवार को भोपाल में प्रधानमंत्री सडक विकास प्राधिकरण की महाप्रबंधक श्रीमती तन्वी सुंद्रियाल से भेंट कर इस विषय पर चर्चा की। जिस पर महाप्रबंधक ने तत्काल सडक के चौड़ीकरण किए जाने की स्वीकृति हेतु आश्वस्त किया।

श्री डंग ने पत्र के माध्यम से महाप्रबंधक श्रीमती सुंद्रियाल को अवगत करवाया कि सुवासरा विधानसभा की सबसे बडी तहसील शामगढ़ होने के साथ ही जिले की सबसे बडी नगर परिषद भी है। शामगढ़ से 20 किलोमीटर की परिधि में अनेक गांव जुडे हैं। यह अंचल का एक बडा व्यापारिक केंद्र भी है। एक बहुप्रतिक्षित सड़क निर्माण के तौर पर निर्मित किए जा रहे गरोठ-उज्जैन फोरलेन मार्ग से शामगढ़ को मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर मकडावन गांव से कनेक्टिविटी यदि प्रदान कर दी जाएगी, तो नागरिकों को बडी सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उज्जैन महाकालेश्वर जाने वाले तीर्थ यात्रियों, इंदौर जाने वाले व्यापारियों, आगामी सिंहस्थ के दर्शनार्थियों, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए जाने वाले नागरिकों को सुविधा मिल सकेगी। श्री डंग ने उन्हें बताया कि गरोठ उज्जैन 4 लेन परियोजना में मकडावन से कनेक्टिविटी हेतु भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुसार कुछ बदलाव आवश्यक है। मकडावन से शामगढ़ तक सडक सिंगल लेन होकर इसमें अनेक विकट मोड है। इसके चलते भारी वाहनों का आवागमन सुगमता से नहीं हो सकेगा और दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। उक्त सडक को ठीक किए जाने पर फोरलेन से कनेक्टिविटी दी जा सकेगी। श्री डंग ने सडक के चौडीकरण करते हुए विकट मोड को समाप्त किए जाने का आग्रह किया। ताकि शामगढ़ नगर और आसपास के गांवों को सुविधा मिल सके। इस पर महाप्रबंधक श्रीमती तन्वी सुंद्रियाल ने तत्काल इस पर आवश्यक कदम उठाए जाने हेतु आश्वस्त किया।

विकल्प दो, पाठ्यक्रम एक जैसे..! बदलाव को लेकर असमंजस

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। इस साल से मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) के स्कूलों में नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों को गणित में दो विकल्प बेसिक व स्टैंडर्ड दिया जा रहा है। विद्यार्थी इन दोनों में से किसी एक को चुन सकते हैं और उसी हिसाब से पढाई कर सकते हैं, लेकिन यह बदलाव सिर्फ दिखावा साबित हो रहा है, क्योंकि माशिमं ने इन विषय की न तो किताबें अगल-अलग की, न ही पाठ्यक्रम में बदलाव किया, मतलब विद्यार्थी चाहे बेसिक चुने या स्टैंडर्ड उसे पढना एक ही किताब से पड़ेगा।अब ऐसे में यह समझना मुश्किल है कि जब पाठ्यक्रम में कोई बदलाव ही नहीं करना था तो दो विकल्प क्यों दिए जा रहे हैं। वहीं, परीक्षा केदौरान भी इसे लेकर गफलत की स्थिति बन सकती है। वहीं, शिक्षक भी इस असमंजस में हैं कि वे बच्चों को क्या पढ़ाएं।

अगले वर्ष से 10 वीं में भी लागू करने की तैयारी– अगले साल से 10वीं में भी इसे लागू करने की तैयारी है। वहीं, माशिमं ने बेसिक व स्टैंडर्ड गणित के प्रोजेक्ट के विषय और अंक योजना जारी कर दिए हैं। जिले के अधिकतर स्कूलों में 60 प्रतिशत विद्यार्थियों ने स्टैंडर्ड और 40 प्रतिशत ने बेसिक गणित लिया है। स्टैंडर्ड गणित लेने वाले विद्यार्थी असमंजस में हैं कि उनके लिए अलग से किताब या पाठ्यक्रम होगा या नहीं। ऐसे में उनकी अगले महीने होने वाली तिमाही परीक्षा में प्रश्नों का पैटर्न कैसा होगा, इसे लेकर विद्यार्थी शिक्षकों से पूछ रहे हैं।

बेसिक और स्टैंडर्ड गणित की अंक योजना एक जैसी– नौवीं में गणित के बेसिक और स्टैंडर्ड की अंक योजना एक जैसी रखी है, जो पैटर्न बेसिक गणित वाले विद्यार्थियों की परीक्षा पर लागू होगा, वैसा ही स्टैंडर्ड गणित के विद्यार्थियों पर भी लागू होगा। बस प्रश्नों के कठिनाई का स्तर अलग-अलग होगा। प्रोजेक्ट वर्क के लिए भी दोनों गणित के एक ही विषय दिए गए हैं। बस पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया है।

सैद्धांतिक गणित के 75 अंक व प्रोजेक्ट के होंगे 25 अंक- ✻ नौवीं गणित के दोनों प्रश्नपत्र 75 व 25 अंक के होंगे। बस दोनों प्रश्नपत्रों में प्रश्नों के कठिनाई का स्तर अलग-अलग होगा। ✻ सभी विद्यार्थियों को सभी विषयों के प्रश्नपत्र हल करने के लिए तीन घंटे का समय मिलेगा। इसमें 30 वस्तुनिष्ठप्रश्न होंगे। ✻ मंडल अधिकारियों के अनुसार इसके अलावा दो अंक, तीन अंक और चार अंक के प्रश्न होंगे। ✻ विद्यार्थी अगले सत्र में 10वीं कक्षा में पहुंचेंगे तो उन्हें बेसिक और स्टैंडर्ड की जानकारी होगी ✻ विद्यार्थी उस पैटर्न से भलीभांति परिचित होंगे। यही व्यवस्था 10वीं कक्षा में भी लागू होगी।

उदासीनता व लापरवाही बरतने पर पटवारी निलंबित

नीमच, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एसडीएम डॉ.ममता खेडे व्दारा शासकीय कर्तव्यों के निवर्हन में घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने पर अडमालिया के पटवारी श्री राजकुमार जैन को म.प्र.सिविल सेवा(आचरण) नियम 1965 के नियम 9 के अंतर्गत तत्कायल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री जैन का मुख्यारलय तहसील नीमच ग्रामीण रहेगा और उन्हेंय नियमानुसार जीवन निवार्ह भत्ता देय होगा। निलंबित पटवारी श्री जैन का अड्मालिया का प्रभार श्री संयोग आठनरे को अन्य आदेश तक सौपा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। ज्ञातत्व हो, कि ग्राम पंचायत में प्रतिदिन दोपहर 12 से दोपहर 3 बजे तक समग्र ई-केवायसी करवानी थी, राजकुमार जैन से अनुपस्थित पाये गये व उनके व्दारा ग्राम अडमालिया में मुख्यालय में उपस्थित हेतु किशनलाल नागदा के मकान में निवासरत बताया गया था, परंतु श्री जैन वहॉ भी उपस्थित नहीं थे व श्री जैन ने दूरभाष पर संपर्क करने पर नीमच में होना बताया, किंतु वे नीमच तहसील में भी उपस्थित नहीं रहे, न ही कोई कार्य प्रगति प्रस्तुत की। अत: श्री जैन के विरूद्ध उक्त कार्यवाही की गई है।

पृथ्वी से सहनशीलता की शिक्षा मिलती है-स्वामी सरस्वती

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा मंदसौर पर दिव्य चातुर्मास पूज्यपाद 1008 स्वामी आनन्दस्वरूपानंदजी सरस्वती ऋषिकेश के सानिध्य में चल रहा है। स्वामी जी द्वारा प्रतिदिन प्रात: 8.30 से 10 बजे तक श्रीमद् भागवद् महापुराण के एकादश स्कन्द का का वाचन किया जा रहा है। मंगलवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए स्वामी श्री आनन्द स्वरूपानंदजी सरस्वती ने कहा कि हमें पृथ्वी से सहनशीलतो सीखना चाहिए। पृथ्वी पर हम कितने भी अत्याचार करते है लेकिन यह पृथ्वी बिना किसी भेदभाव के हम पालती है। आपने बताया कि हमारे जीवन में भी सहनशक्ति को बहुत महत्व है लेकिन आज कल यह देखा जा रहा है कि लोगों के जीवन में सहनशक्ति का अभाव होता जा रहा है। माता पिता बच्चों को कुछ कह दें तो विष पी लेते है ऐसे तो आजकल चल रहा है इसलिए हमें पृथ्वी से सहनशक्ति की शिक्षा लेना चाहिए। आपने बताया कि वायु से हमें एक समान बनें रहने की शिक्षा मिलती है वायु में गंधक भी संगत करती है तो वायु उसे अपने में मिलाकर अपने आप त्याग देती है और खुशबु को भी अपने अंदर लेकर उसे भी त्याग देती है अर्थात सदैव समान व्यवहार रखें। पहाडों से हमें परोपकार की शिक्षा मिलती है, पहाड हमें सदैव देते है वे कभी हमशे कुछ नहीं मांगते इसलिए पहाडों से परोपकार की शिक्षा मिलती है। स्वामी जी ने कहा कि इंद्रियां जो चाहती है वह कभी मत करों वह करोंगे तो अस्वस्थ्यता को प्राप्त करोंगे इसलिए इंद्रियों को नियंत्रण में रखने का प्रयास करो। कार्यक्रम के अंत में भगवान की आरती उतारी गई एवं प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर जगदीशचन्द्र सेठिया, कारूलाल सोनी, पं शिवनारायण शर्मा, घनश्याम भावसार, दिनेश खत्री, रामचंद्र कोकन्दा, राधेश्याम गर्ग, सी एस निगम, कन्हैयालाल रायसिंघानी, घनश्याम सोनी, भगवती लाल पिलौदिया, जगदीश भावसार, महेश गेहलोद, राजेश तिवारी, राजेश देवडा, प्रवीण देवडा, आर सी पंवार, मदनलाल देवडा, प्रवीण देवडा, जगदीश गर्ग , सहित बडी संख्या में महिलाएं पुरूष उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा का भ्रमण कार्यक्रम

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती जायसवाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा 7 अगस्त 2024 को मंदसौर आएंगे। तय कार्यक्रम अनुसार उप मुख्यमंत्री श्री देवडा 7 अगस्त 2024 को प्रात: 5:00 बजे भोपाल से प्रस्थान कर प्रात: 10.30 बजे मंदसौर आएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत लाडली बहनों का आभार सह उपहार कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में 7 अगस्त 2024 को दोपहर 2:00 से किया जायेगा।

बाबु उर्फ इरफान छह माह के लिए जिला बदर

नीमच, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रेट श्री दिनेश जैन व्दारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत माधवगंज महोल्ला नीमच सिटी निवासी बाबु उर्फ इरफान उर्फ समीर पिता रफिक रंगरेज को छह माह की अवधि के लिए जिला बदर का आदेश जारी किया गया है। उक्त अवधि में बाबु उर्फइमरान नीमच जिले की राजस्व सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, देवास, आगर मालवा जिले की राजस्व सीमा में छह माह की अवधि तक प्रवेश नहीं कर सकेगा। अनावेदक बाबु उर्फ इरफान के विरूद्ध नीमच सिटी पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय में विचाराधीन है।

बच्चों ने एक पौधा मां के नाम किए 101 पौधारोपण

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रकृति का श्रृंगार पेड़ पौधों से ही होता है। पेड़ पौधे हमें ताजी हवा, मीठे फल, शुद्ध ऑक्सीजन, ठंडी छाया, सुगंधित पुष्प, जड़ी बूटियां, और अनेक प्रकार की वस्तुएं प्रदान करते हैं। पेड़ पौधे ही प्रकृति के आभूषण है। हमें भारत मां के इस आंगन को हरा-भरा करने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। प्रकृति के आंगन को सुंदर और सुशोभित बनाने का प्रयत्न करना चाहिए। एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत संपूर्ण भारत में पौधारोपण किया जा रहा है। हमारा भी दायित्व है कि हम सब मिलकर प्रकृति के आंगन में एक पौधा मां के नाम लगाए और संकल्प भी लें कि उसे पौधे का रखरखाव, पानी ,सुरक्षा हमें करना है। एवं उसके बड़े होने तक हमें उसकी निगरानी भी रखना है।

उक्त विचार एकीकृत शाला शासकीय माध्यमिक विद्यालय मिर्जापुरा में एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम में संस्था प्रधान श्री जगदीश गुप्ता ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। ग्राम पंचायत अघोरिया के सहयोग से प्राप्त 101 फलदार और छायादार प्रजाति के पौधों का रोपण विद्यालय शिक्षकों, बाल कैबिनेट टीम एवं कक्षा 1 से कक्षा 8 के 101 विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विद्यालय प्रांगण में खुली पड़ी जमीन पर पौधारोपण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सीताफल, जामुन, आम, आंवला , नीम, कचनार, शीशम, अमलतास ,पीपल, गुड़हल,पारस पीपल, आदि पौधों का पौधारोपण किया गया। शाला प्रबंधन समिति द्वारा पौधारोपण क्षेत्र शाला प्रांगण को कांटेदार तारजाली लगवाकर सुरक्षित करवाया। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष राजु सोलंकी, विद्यालय शिक्षक श्याम बाबू मीणा, अम्बालाल धनगर, ओमप्रकाश सोनी, दिनेश कुमार भिंडवाल, रईस मोहम्मद मंसूरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रेखा दशौरा, सहायिका पुष्पा पंवार ने उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

सरहद पर देश की रक्षा में तैनात जवानों को लिये बच्चों से हस्तनिर्मित रक्षा सूत्र भिजवाया

पिपलियामंडी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सरहद पर देश की रक्षा के लिए तैनात सेना के जवानों को रक्षाबंधन पर्व पर हस्त निर्मित रक्षा सूत्र (राखियाँ) स्थानीय पूर्व सैनिकों के माध्यम से डैफोडिल्स स्मार्ट स्कूल, पिपल्यामण्डी के विद्यार्थियों द्वारा भिजवाई गई। इस अवसर पर सेना के निर्वतमान सैनिकों द्वारा विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि जब हम लोग सीमाओं पर तैनात रहते थे तब हमें भी रक्षा सूत्र मिलते थे, रक्षाबंधन के दिन हम सभी जवान एक- दूसरे को राखी कलाई पर बांधते थे। उस समय हमें गर्व होता था हमारे राष्ट्र के विद्यार्थी अपने परिवार के अलावा हमारे लिए भी विचार करते है।

सड़क पर बरसात का पानी जमा होने से परेशानी

पिपलियामंडी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गांव बादरी में तुरकिया मार्ग पर बरसात का पानी भरा होने से वाहन चालक व राहगीर परेशान है। गांव के मुकेश नायक ने बताया कि बरसात का पानी सड़क पर भरा रहने से कीचड़ा पसर गया है। ग्राम पंचायत व जनप्रतिनिधियों को भी समस्या से अवगत कराया, लेकिन समाधान न ही हुआ। नायक ने सड़क के दोनों और नालियों का निर्माण कराने की मांग की है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने तीन संस्थानों से लिए सेम्पल

मंदसौर, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। त्यौहारों पर आमजनों को शुद्ध एवं ताजी खाद्य सामाग्री मिलें इसके लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 6 अगस्त मंगलवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के तीन संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 6 अगस्त मंगलवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के महावीर मावा भंडार से मावा, जैन मावा भंडार से मावा और डालवानी सुपर बाजार से कैडबरी सैलीब्रेशन के नमुने लिये गये हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

मित्रता दिवस मनाया गया

पिपलियामंडी, 6 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय पिपलिया में मित्रता दिवस मनाया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर ममता चौहान ने मित्रता का जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि सभी के जीवन में एक मित्र अवश्य होना चाहिए, जिससे हम अपने मन की बात कर सके। महाविद्यालय के संस्था प्रमुख डॉ. आरके श्रीवास्तव, महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. चंद्रकला चौहान ने किया। आभार प्रोफेसर गोविंद तंवर ने माना।

पुलिस बैण्ड का कप्तान द्वारा अवलोकन : 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए परेड की रिहर्सल की जा रही है। परेड में पुलिस बैंड भी शामिल हुआ है। पहले दिन मंगलवार को पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने पुलिस बैंड का अवलोकन किया।

✻ नाम परिवर्तन ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जात है कि मैं DWARKA DISH SETHIA पिता सत्यनारायण सेठीया ने अपना नाम परिवर्तन कर DWARKA DHISH SETHIYA कर दिया है। अत: मुझे अपने नए नाम DWARKA DHISH SETHIYA के नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

पता–बंगला नम्बर 3 रॉयल एरिया दशरथ नगर के पास, मंदसौर (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद नगरी, जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक–1429 नगरी, दिनांक–06.08.2024

✻✻✻✻ विज्ञापन ✻✻✻✻

विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांजनों के लिए आरक्षित निम्न पदों की पूर्ति के लिए पात्र अभ्यार्थियों से संलग्न प्रारूप पर आवेदन आमंत्रित किए जाते है। आवेदन दिनांक 22.08.2024 को सायं 5.00 बजे तक डाक से अथवा व्यक्तिश: नगर परिषद नगरी, जिला मन्दसौर के कार्यालय प्रस्तुत किए जा सकते है।

सक्र	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगता अनुसार चिन्हाकित किए गए पद/संवर्ग एवं संख्या				निर्धारित योग्यता
				दृष्टिबाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमीटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है सेरेब्रेल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बीनापन, एसिड, अटेक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म बौद्धिक दिव्यांगता स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहु विकलांग	
1	2	3	4	7	8	9	10	11
1	स्वच्छता संरक्षक संविदा 1 वर्ष हेतु	चतुर्थ	अकुशल श्रेणी वर्तमान निर्धारित कलेक्टर दर	---	---	1	---	5 वी कक्षा उत्तीर्ण
	योग			---	---	1	---	1

मुख्य शर्त– 1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। 2. इस विज्ञापन के जारी होने, के दिनांक को आवेदक की न्युनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 45 वर्ष होना चाहिए। 3. आवेदक का म.प्र.राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है। 4. आवेदक का विवाह निर्धारित न्युनतम आयु (पुरूष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पद के लिए अयोग्य माना जायेगा। 5. प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद मेरिट के आधार पर चुनिदा अभ्यार्थियों को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षरता के लिए आमंत्रित किया जावेगा। उक्त की सूचना आवेदक की मेल आईडी पर दी जावेगी। 6. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा अथवा अन्य भत्ता देय नहीं होगा। 7. आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले अभिलेख स्वयं अथवा राजपत्रित अधिकारी से प्रमाणित होने चाहिए। 8. भर्ती से संबंधित अन्य जानकारी निकाय की वेबसाईट https://nagarparishadnagari.com/ कलेक्टर कार्यालय/जिला पंचायत कार्यालय/निकाय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है। 9. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी के पास सुरक्षित होगे। 10. आवेदन भेजने का पता–मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद नगरी, जिला मंदसौर (म.प्र.) 458669

नोट–मुख्य शर्ते के बिन्दु क्रमांक 08 में निकाय की वेबसाईट हो तो वेबसाईट का नाम आवश्यक रुप से भरे। मुख्य शर्ते के बिन्दु क्र. 10 में आवेदन भेजने का पता स्पष्ट रुप से लिखे तथा पिन कोड भी लिखे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद नगरी

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in